वर्ष : 34 | अंक : 373 | मुंबई, रविवार, 22 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

वर्तमान स्थिति : पानी सप्लाई पर संकट के संकेत

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के भांडुप जलशुद्धिकरण संकुल से शहर को मिलने वाले कुल पानी का लगभग आधा हिस्सा शुद्ध कर आपूर्ति किया जाता है। यही संकुल मुंबई की जल व्यवस्था का अहम केंद्र है, लेकिन अब यहां के पुराने पंप चिंता का विषय बन गए हैं। भांडुप पंपिंग स्टेशन में लगे चार पंप 20,000 घंटे से अधिक समय तक चल चुके हैं और अब उनकी क्षमता कम होने लगी है। ये पंप 1978-80 के बीच स्थापित किए गए थे और तब से लगातार 24 घंटे काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इतने लंबे उपयोग के बाद इनकी मुख्य मरम्मत आवश्यक हो जाती है। मुंबई को रोजाना करीब 4,100 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है, जिसमें से 1,910 मिलियन लीटर पानी भांडुप से सप्लाई होता है। ऐसे में अगर ये पंप अचानक बंद हो जाते हैं, तो शहर में पानी की गंभीर किल्लत पैदा हो सकती है।

- कंक्रीट के जंगल में भूजल स्तर पाताल की ओर
- कागजों पर सिमटा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग

असल समस्या जल-प्रबंधन

हर मानसून में मुंबई बाढ़ और जलभराव से जूझती है और लाखों लीटर पानी सड़कों और नालों से बहकर समुद्र में चला जाता है। वहीं शहर कुछ महीनों बाद पानी की कमी से जूझता दिखाई देता है। यह विरोधाभास बताता है कि समस्या पानी की कमी की नहीं, बल्कि उसके समुचित प्रबंधन की है। शहरों में वर्षा जल संचयन को लेकर नियम जरूर बनाए गए हैं, लेकिन उनका पालन अक्सर कागजों तक सीमित रह जाता है। जल वितरण की पुरानी पाइपलाइनें और उनमें होने वाला लीकेज भी बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के कई शहरों में 20 से *0 प्रतिशत तक पानी पाइपलाइन लीकेज और खराब वितरण व्यवस्था में ही नष्ट हो जाता है। तेज निर्माण और निजी जल स्रोतों के बढ़ते इस्तेमाल से भूमिगत जल स्तर भी कई जगहों पर तेजी से गिर रहा है। लेकिन इस पर प्रभावी नियंत्रण की नीतियां या तो कमजोर हैं या उनका पालन ही नहीं हो पाता।

विश्व जल दिवस विशेष

महानगर का जलसंकट

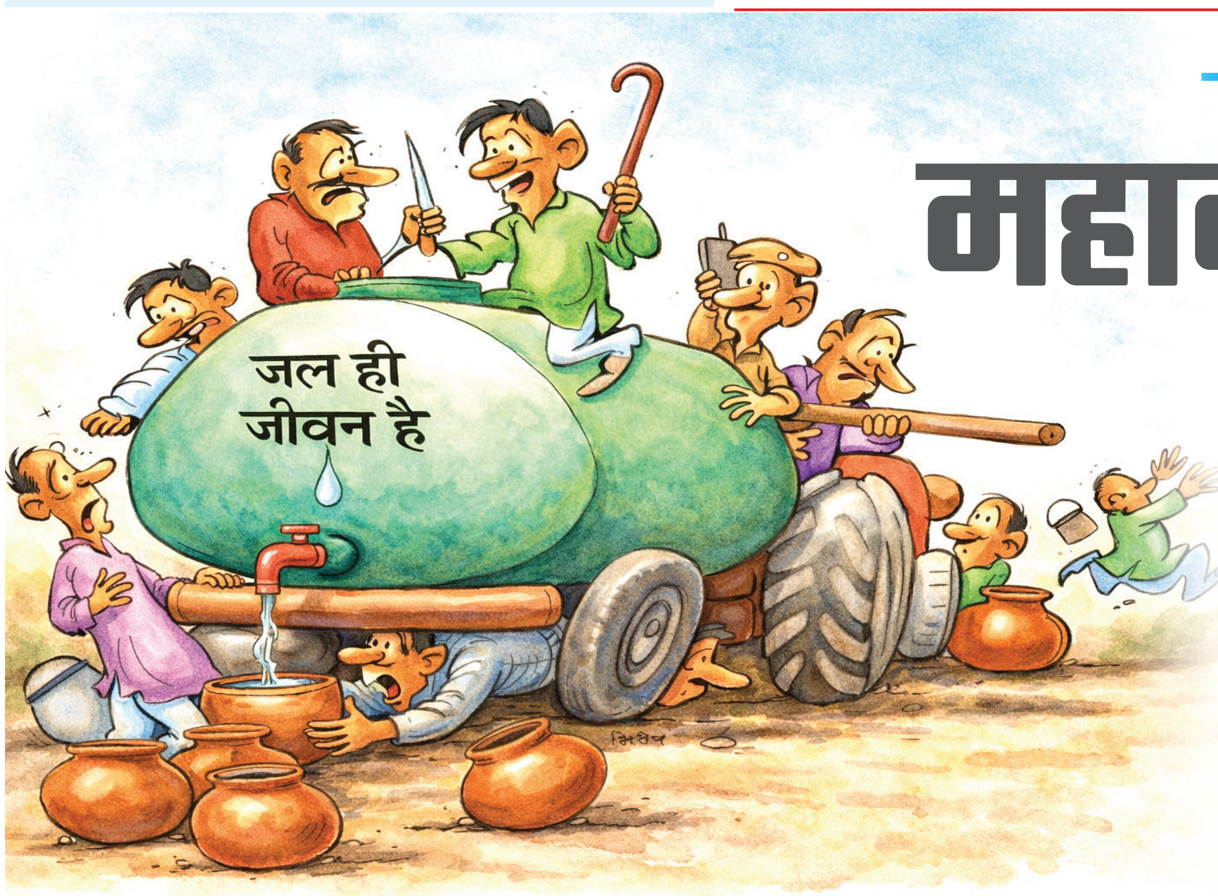

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आज पूरी दुनिया में विश्व जल दिवस मनाया जा रहा है, लेकिन मुंबई की सुबहों में कोई बदलाव नहीं है। वही पाने के लिए रोज की किचकिच। कई इलाकों में लोग अलार्म घड़ी से नहीं, पानी आने के समय से जागते हैं। कोई बाल्टियां सजाकर खड़ा है, कोई प्लास्टिक के ड्रम भर रहा है। कई घरों में दिन की शुरुआत इस गणना से होती है कि आज कितना पानी मिलेगा और उससे दिनभर के कितने काम चल पाएंगे। मुंबई में तो मानसून के महीनों में आसमान जैसे फट पड़ता है, और महानगर को पानी देने वाले सात प्रमुख जलाशय-भातसा, मोडक सागर, तानसा, तुलसी, विहार, अपर वैतरणा और मिडिल वैतरणा-बरसात के दौरान लगभग भर जाते हैं। सामान्य वर्षा होने पर यह व्यवस्था पूरे साल की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम दिखाई देती है, फिर भी हर गर्मी में ढाक के वही तीन पात!

फैलता दायरा, सिकुड़ता पानी

इसका एक बड़ा कारण शहर का लगातार पैलता आकार और बढ़ती खपत है। मुंबई अब केवल महानगर नहीं रह गया; ठाणे, नई मुंबई, कल्याण-डोंबिवली और आस-पास के कई शहर मिलकर एक विशाल महानगरीय क्षेत्र बना चुके हैं। इस पूरे इलाके में पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। मुंबई महानगरपालिका रोजाना लगभग 4,100 मिलियन लीटर जलापूर्ति करती है, लेकिन पूरे क्षेत्र की वास्तविक जरूरत इससे कहीं अधिक है। मुंबई का अनुभव महाराष्ट्र के व्यापक जल संकट की झलक दिखलाता है।

पानी के लिए लगेंगी कतारें

मुंबई जैसे संसाधन-संपन्न शहर में भी जब पानी की चिंता बार-बार लौटती है, तो छोटे शहरों और कस्बों की स्थिति का अनुमान लगाना कठिन नहीं। मुंबई में उठती पानी की चिंता दरअसल पूरे देश के लिए खतरे की घंटी है। यदि पानी के सवाल को गंभीरता से नहीं लिया गया तो भारत के शहरों में सबसे लंबी कतार शायद राशन या टिकट की नहीं, बल्कि पानी भरने वाली बाल्टियों की होगी।

चाकणकर की गई कुर्सी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में नासिक के कथित ज्योतिषी और दुष्कर्म के आरोपी अशोक खरात मामले ने एक बड़ा सियासी भूचाल ला दिया है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर को न केवल अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा, बल्कि उनके जाने से सत्ताधारी महायुति सरकार और एनसीपी (अजित गुट) की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। दरअसल नासिक के तथाकथित ज्योतिषी अशोक खरात की दुष्कर्म मामले में गिरफ्तारी के बाद रूपाली चाकणकर की उसके साथ पुरानी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। हालांकि उन्होंने इसे पुरानी पहचान बताया, लेकिन सरकार की छवि खराब होते देख और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सख्त रुख के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने शनिवार को यह इस्तीफा आगे की कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री को भेज दिया।

- उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ने मंजूर किया इस्तीफा
- चाकणकर से पहले मुंडे और कोकाटे भी गँवा चुके हैं पद

रूपाली चाकणकर के इस्तीफे के बावजूद आक्रामक विपक्ष

बड़ी मछलियाँ अभी बाकी हैं : वडेट्टीवार

“कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने नागपुर में दहाड़ते हुए कहा कि सिर्फ चाकणकर का इस्तीफा काफी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में कई 'बड़ी मछलियाँ' (बड़े नेता और मंत्री) शामिल हैं जिन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने खरात के संपर्क में रहे सभी मंत्रियों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) की जांच की मांग की है।

रूपाली को नहीं कोई पश्चाताप : दमानिया

सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया ने कहा है कि सिर्फ त्यागपत्र देने भर से रूपाली चाकणकर को मुक्ति नहीं मिलनी चाहिए। उन पर आपराधिक मामला दर्ज कर इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि कहीं उन्होंने अशोक खरात के कुछ मामलों को दबाने में तो कोई भूमिका नहीं निभाई है। दमानिया का कहना है कि उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को अपना त्यागपत्र सौंपते समय रूपाली चाकणकर के चेहरे पर पश्चाताप का कोई भाव नजर नहीं आ रहा था। वह एक मॉडल की तरह पोज देते हुए अपना त्यागपत्र सौंप रही थीं जबकि सुनेत्रा पवार पूरी तरह गंभीर दिख रही थीं।

चाकणकर ने सभी आरोपों को गलत ठहराया

रूपाली चाकणकर ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। वह अशोक खरात के पास एक आध्यात्मिक गुरु के नाते जाती थीं। उस समय उन्हें उसके दूसरे पहलू की जानकारी नहीं थी।

पहले भी मंत्रियों पर गिर चुकी है गाज

पिछले 16 महीनों में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के लिए यह तीसरा बड़ा झटका है। धनंजय मुंडे ने 4 मार्च 2025 को हत्या के मामले में घिरने के बाद इस्तीफा दिया। माणिकराव कोकाटे ने 18 दिसंबर 2025 को आवास घोटाले के कारण कुर्सी गँवाई। अब रूपाली चाकणकर ने 21 मार्च 2026 को खरात मामले के कारण इस्तीफा दिया है।

उद्धव सरकार में भी मंत्रियों पर गिरी थी गाज

साल 2019 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महाविकास आघाड़ी सरकार का गठन हुआ था। इस सरकार के कार्यकाल के दौरान भी कई मंत्री विवादों में घिर गए थे, जिसके चलते उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। सरकार में शामिल राकांपा (अविभाजित) के दो कैबिनेट मंत्रियों को गंभीर आरोपों के बाद पद छोड़ना पड़ा था। उस समय के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर 100 करोड़ रुपये की कथित वसूली का आरोप लगा, जिसके बाद उन्होंने 5 अप्रैल 2021 को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। वहीं, पूर्व मंत्री नवाब मलिक पर अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े जमीन सौदे के आरोप लगे, जिसके चलते उन्हें जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल में रहने के बावजूद उनका इस्तीफा नहीं लिया गया और वे बिना किसी विभाग के मंत्री पद पर बने रहे।

चीन से आए 30 करोड़ के प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त

11 हजार से ज्यादा ब्लैकलिस्टेड वॉकी-टॉकी और ई-वेस्ट बरामद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय मुंबई ने चीन से तस्करी कर लाए गए प्रतिबंधित सामानों के खिलाफ एक बड़ा सर्जिकल स्ट्राइक किया है। अधिकारियों ने चीन से मंगाए गए 11,060 वॉकी-टॉकी सेट जब्त किए हैं। इनकी सबसे खतरनाक बात यह है कि ये 400-480 मेगाहर्टज की फ्रीक्वेंसी पर काम करते हैं। भारत के नियमों के अनुसार, बिना लाइसेंस के केवल 446.0-446.2 मेगाहर्टज बैंड ही मान्य है। इतनी हाई-फ्रीक्वेंसी वाले सेटों का इस्तेमाल अनधिकृत संचार के लिए किया जा सकता है, जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है।

ई-वेस्ट की अवैध तस्करी

कार्रवाई में 52,480 पुरानी हार्ड डिस्क ड्राइव (HDD) भी मिली हैं। ये 'ई-वेस्ट' की श्रेणी में आती हैं और भारत में इनका आयात पूरी तरह प्रतिबंधित है। बिना DGFT की विशेष अनुमति के इन्हें मंगाना गैर-कानूनी है। ये न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती हैं, बल्कि इनमें पुराने डेटा की सुरक्षा का जोखिम भी रहता है। तस्करों ने इन 8 कंटेनरों को सीमा शुल्क की नजरों से बचाने के लिए 'मिश्रित इलेक्ट्रॉनिक सामान' घोषित किया था। कागजों पर कीमत कम दिखाई गई थी, जबकि पकड़े गए सामान की असली बाजार कीमत लगभग 30 करोड़ रुपये (9.25 करोड़ प्रतिबंधित माल + 21 करोड़ कवर कार्गो) आंकी गई है।

लैमिंगटन रोड का फैमिली बिजनेस

DRI की जांच में खुलासा हुआ कि यह पूरा रैकेट मुंबई के प्रसिद्ध लैमिंगटन रोड की दो फर्मों के जरिए चलाया जा रहा था। इस धंधे का मास्टरमाइंड पिता था, जबकि फर्में बेटे के नाम पर रजिस्टर्ड थीं।

ब्रीफ न्यूज़

ईरानी नेवी ने एलपीजी लदा भारतीय जहाज होर्मुज पार कराया

तेहरान। ईरानी नेवी ने 13 मार्च की रात को एक भारतीय जहाज को सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट पार कराया था। LPG लेकर आ रहा ये जहाज 10 दिन से फारस की खाड़ी में फंसा था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह काम भारत और ईरान के बीच बातचीत के बाद हुआ। जहाज को पहले से तय रास्ते से निकाला गया ताकि वह हमलों से बच सके। इस दौरान जहाज का ट्रैकिंग सिस्टम (AIS) बंद कर दिया गया था। हालांकि रिपोर्ट में इस जहाज का नाम नहीं बताया गया है। अभी तक दो भारतीय जहाज शिवालिक (16 मार्च) और नंदा देवी (17 मार्च) होर्मुज के रास्ते LPG लेकर भारत पहुंचे हैं।

आरोपियों के फोटो-वीडियो अपलोड पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है।

मुंबई में 35 हजार पुनर्वास घरों की योजना

अंधेरी-मालाड बनेंगे मुख्य केंद्र

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने शहर में प्रोजेक्ट प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए अगले पांच वर्षों में करीब 35,000 आवास इकाइयां हासिल करने की योजना बनाई है। इनमें से लगभग 23,000 घर अंधेरी और मालाड क्षेत्रों में बनाए जाएंगे, जो इस योजना के प्रमुख केंद्र होंगे। शहर में कई सड़कों के असमान संरेखण के कारण भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है।

वहीं, नालों में अतिक्रमण के चलते सड़क चौड़ीकरण जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इन परियोजनाओं में सबसे बड़ी चुनौती प्रोजेक्ट प्रभावित लोगों का पुनर्वास है, जो अक्सर स्थानांतरण के लिए तैयार नहीं होते।

पहली बार सत्ता पर कब्ज़ा, पर महायुति में दरार

सातारा ज़िला परिषद में बीजेपी का 'ऑपरेशन लोटस'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/सातारा

- शिवसेना और एनसीपी के सदस्यों को तोड़कर बनाई सरकार
- शंभूराज देसाई ने दी हाई कोर्ट जाने की चेतावनी

महाराष्ट्र के सातारा ज़िला परिषद में शनिवार को हुए सियासी उलटफेर ने महायुति (BJP, शिवसेना-शिंदे और NCP-अजित) के भीतर दरार पैदा कर दी है। पहली बार सातारा ज़िला परिषद की सत्ता पर भारतीय जनता पार्टी ने कब्ज़ा तो कर लिया, लेकिन अपने ही सहयोगियों की नाराजगी मोल लेकर। सातारा ज़िला परिषद में बीजेपी के पास केवल 28 सदस्य थे, जो बहुमत के आंकड़े से दूर थे। लेकिन लोक निर्माण मंत्री छत्रपति शिवेंद्रसिंह राजे भोसले की रणनीति ने कमाल कर दिया। बीजेपी ने एनसीपी (अजित गुट) के 3 और शिवसेना (शिंदे गुट) के 2 सदस्यों को अपनी ओर खींच लिया।

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव

इस नाटकीय घटनाक्रम के बाद प्रिया शिंदे ज़िला परिषद की नई अध्यक्ष चुनी गईं, जबकि राजू भोसले को उपाध्यक्ष का पद मिला। दिलचस्प बात यह है कि प्रिया शिंदे, शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक महेश शिंदे की पत्नी हैं, जिससे इस चुनाव ने और भी गहरा राजनीतिक रंग ले लिया है।

मुंबईकर चले एसी लोकल की ओर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की झुलसा देने वाली गर्मी और लोकल ट्रेनों की भारी भीड़ के बीच, मुंबईकरों का दिल अब AC लोकल पर आ गया है। आरामदायक सफर की चाहत और बढ़ते तापमान ने मार्च 2026 में यात्रियों की संख्या के पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस साल मार्च की गर्मी ने लोगों को पसीने-पसीने कर दिया है, जिसका सीधा असर रेलवे के आंकड़ों पर दिख रहा है। 9 मार्च 2026 को एक ही दिन में 3,89,113 यात्रियों ने AC लोकल में सफर किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वहीं, 5 मार्च को भी लगभग 3.74 लाख लोग इस ठंडी ट्रेन के मुसाफिर बने।

हर महीने बढ़ रहा है ग्राफ

- दिसंबर 2025: 1.38 लाख (औसत प्रतिदिन)
- जनवरी 2026: 1.44 लाख
- फरवरी 2026: 1.58 लाख
- मार्च 2026: 2.05 लाख (यानी पिछले साल के मुकाबले 25% का इजाफा)

पश्चिम रेलवे ने बढ़ाए फेरे

बढ़ती मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को राहत देने के लिए AC लोकल की फेरियाँ बढ़ा दी हैं। दिसंबर में जहाँ 109 फेरियाँ चलती थीं, उन्हें जनवरी में बढ़ाकर 121 और अब मार्च में 133 कर दिया गया है। सीनियर डीसीएम अभय चौहान के अनुसार, प्राथमिकता यात्रियों के सफर को आसान बनाने की है।

बदल रही अदालतें › घंटों के काम को मिनटों में करके जजों की मदद करेगा 'लेगरा'

भारतीय अदालतों में एआई की एंट्री

- कानूनी शोध और दस्तावेजों का विश्लेषण होगा चुटकियों में
- आईआईटी मद्रास के सहयोग से तैयार हुआ प्रोटोटाइप

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय न्यायपालिका अब आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (AI) के दम पर अपनी रफ़्तार बढ़ाने की तैयारी में है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जजों को अब केस स्टडी और पुराने फैसलों को खंगालने में घंटों बर्बाद नहीं करने पड़ेंगे। इसके लिए 'लेगरा' और 'डिजिटल कोर्ट्स 2.1' जैसे अत्याधुनिक टूल्स विकसित किए गए हैं। लीगल रिसर्च

एनालिसिस असिस्टेंट यानी LEGRA एक ऐसा एआई टूल है जिसे जजों की मदद के लिए बनाया गया है। इसका मुख्य काम कानूनी शोध करना और पुराने फैसलों का विश्लेषण करना है। अब जजों को हजारों पन्नों की फाइलें पलटने की ज़रूरत नहीं होगी, लेगरा उन्हें ज़रूरी जानकारी एक ही जगह उपलब्ध करा देगा।

डिजिटल कोर्ट्स 2.1 से मिलेगी सिंगल विंडो सुविधा

अदालतों को पूरी तरह कागज रहित बनाने के लिए 'डिजिटल कोर्ट्स 2.1' टूल तैयार किया गया है। यह एक 'सिंगल विंडो' प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगा, जहाँ केस से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी मौजूद होगी। इसमें 'श्रुति' (वॉयस-टू-टेक्स्ट) और 'पानिनी' (अनुवाद) जैसी सुविधाएं भी हैं, जो जजों को आदेश लिखवाने में मदद करेंगी। इस तकनीक को विकसित करने में आईआईटी मद्रास अहम भूमिका निभा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में एआई और मशीन लर्निंग (ML) के प्रोटोटाइप का परीक्षण चल रहा है। इसका मकसद दस्तावेजों की गलतियां सुधारना, मेटा-डेटा निकालना और उन्हें केस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (ICMIS) के साथ जोड़ना है।

डेटा प्राइवेसी का रखा गया है खास ख्याल

एआई के इस्तेमाल में सबसे बड़ा डर डेटा चोरी का होता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि लेगरा और डिजिटल कोर्ट्स 2.1 में डेटा गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा गया है। ये टूल्स केवल भारतीय अदालतों (सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला कोर्ट) द्वारा दिए गए आधिकारिक फैसलों और आदेशों का ही उपयोग करते हैं, जिससे जानकारी की विश्वसनीयता बनी रहती है।

अमन की दुआओं से गूंज उठी मुंबई

पालघर से ठाणे तक ईद का जश्न

मुंबई/ठाणे/पालघर। पूरे एक महीने के मुकद्दस रमजान के रोजों के बाद, शनिवार को मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में ईद-उल-फितर का त्योहार जबरदस्त उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया गया। मुंबई की मायानगरी से लेकर पालघर के गांवों तक, हर तरफ खुशियों की 'ईदी' बंटती नजर आई। मुंबई की सड़कों पर सुबह से ही एक अलग चमक थी। दक्षिण मुंबई के मोहम्मद अली रोड और मीनार मस्जिद के पास तिल रखने की जगह नहीं थी। वहीं, आजाद मैदान में हजारों लोगों ने एक साथ सफों में खड़े होकर नमाज अदा की, जो भारत की एकता का प्रतीक बना। दोपहर बाद बांद्रा और कुर्ला के बाजारों में परिवारों की भारी भीड़ खरीदारी और लजीज पकवानों का लुत्फ उठाती दिखी।

पालघर: सादगी और प्रेम का संगम

पालघर जिले के वसई-विरार से लेकर ग्रामीण इलाकों तक ईद सादगी के साथ मनाई गई। मजदूरों और किसानों ने अपने काम से छुट्टी लेकर परिवार के साथ वक्त बिताया। बच्चों में सबसे ज्यादा उत्साह अपनी 'ईदी' (बुजुर्गों से मिलने वाले पैसे) को लेकर था, जिससे वे खिलौने और मिठाइयां खरीदते नजर आए। ईद का जिक्र हो और पकवानों की बात न हो, ऐसा मुमकिन नहीं। हर घर से शिर-खुरमा और लजीज बिरयानी की खुशबू आ रही थी। लोगों ने अपने गैर-मुस्लिम दोस्तों को घर बुलाकर बड़े चाव से सेवइयां खिलाईं और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की।

भिवंडी: साझी संस्कृति का स्टॉल

भिवंडी शहर में ईद की रौनक सबसे जुदा रही। यहाँ की खासियत यह रही कि कई जगहों पर हिंदू भाइयों ने नमाजियों के लिए ठंडे पानी और शरबत के स्टॉल लगाए थे। यह नजारा भारत की असली 'गंगा-जमुनी तहजीब' को बयां कर रहा था। ठाणे के मुंब्रा और कलवा इलाकों में भी मस्जिदों को दूधिया रोशनी से बेहद खूबसूरती से सजाया गया था। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में मुंबई पुलिस और स्थानीय प्रशासन का बड़ा योगदान रहा।

डहाणू में पीएसीएल दफ्तर पर कार्रवाई

10 साल से बंद संपत्ति पर जब्ती का नोटिस

डहाणू। डहाणू में 'पर्ल एग्रो कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (PACL) से जुड़ा एक कार्यालय फिर से सुर्खियों में आ गया है। करोड़ों निवेशकों को ठगने के आरोपों में घिरी इस कंपनी के वैभव कॉम्प्लेक्स स्थित दफ्तर पर नगर परिषद ने बकाया संपत्ति कर के चलते जब्ती का नोटिस जारी किया है। करीब 1.90 लाख रुपये का टैक्स बकाया बताया गया है। यह कार्यालय पिछले लगभग एक दशक से बंद पड़ा है और इस दौरान न तो इसका उपयोग हुआ और न ही कोई कर अदा किया गया। अब नगर परिषद ने सख्त रुख अपनाते हुए बिजली आपूर्ति काटने और संपत्ति जब्त करने की चेतावनी दी है। PACL देश के सबसे बड़े पोंजी घोटालों में से एक से जुड़ी कंपनी रही है। आरोप है कि इस कंपनी ने रियल एस्टेट निवेश के नाम पर पालघर और डहाणू क्षेत्र के कई लोगों से पैसे जुटाए। इस कार्रवाई के बाद एक बार फिर इस घोटाले की चर्चा तेज हो गई है। इस कंपनी की स्थापना निर्मल सिंह भंगू ने की थी। कंपनी पर आरोप है कि उसने देशभर के करीब 5.8 करोड़ निवेशकों से 49,000 से 60,000 करोड़ रुपये तक जुटाए। 2014 में सेबी ने इस पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि 2016 में सीबीआई ने मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मलबे के निपटान और भारी-भरकम बिलों पर आम सभा में भारी हंगामा

आयुक्त मनीषा अव्हाले से मांगा गया लिखित जवाब

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगर पालिका की हालिया आम सभा की बैठक में खतरनाक इमारतों को गिराने की प्रक्रिया और उससे जुड़ी लागत को लेकर जमकर विवाद हुआ। भाजपा नगरसेवक राजेश वानखेड़े ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाते हुए शहर में गिराई गई इमारतों और उनके मलबे के निपटान को लेकर स्पष्टता मांगी। वानखेड़े के तीखे सवालों ने नगर पालिका प्रशासन को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया, जिससे सदन की कार्यवाही के दौरान काफी तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

भ्रष्टाचार और पारदर्शिता पर उठे सवाल

राजेश वानखेड़े का मुख्य आरोप है कि खतरनाक इमारतों को ढहाने की इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का पूर्ण अभाव है। उन्होंने दावा किया कि प्रशासन के पास इस बात का कोई ठोस रिकॉर्ड नहीं है कि इमारतों को गिराने पर वास्तव में कितनी धनराशि खर्च हुई और उनसे निकलने वाला भारी मात्रा में मलबा कहाँ फेंका गया। वानखेड़े ने इस मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता और 'मलबे घोटाले' की आशंका जताई है, जिससे यह मुद्दा अब शहर में चर्चा का विषय बन गया है।

प्रशासन का रुख और जांच की मांग

शहर में लगातार होती भवन ढहने की घटनाओं और नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए नगर पालिका ने कई इमारतों को खाली करने के नोटिस जारी किए हैं और कुछ को ध्वस्त भी किया है। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए आयुक्त मनीषा अव्हाले ने कहा कि इस मामले से संबंधित विस्तृत और लिखित जानकारी जल्द ही सदन के पटल पर रखी जाएगी। हालांकि, नगरसेवकों का एक बड़ा गुट प्रशासन के इस जवाब से असंतुष्ट है और अब इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय और गहन जांच की मांग जोर पकड़ रही है।

न्यूज ब्रीफ

मैंग्रोव संरक्षण समिति पर उठे सवाल

भाईंदर। मीरा-भाईंदर शहर में मैंग्रोव वनों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, जहां 'मैंग्रोव वन संरक्षण एवं संवर्धन संयुक्त निगरानी समिति' की कार्यप्रणाली पर ही संदेह जताया जा रहा है। सरकार के निर्देश पर गठित इस समिति का उद्देश्य मैंग्रोव क्षेत्रों की नियमित निगरानी और शिकायतों पर कार्रवाई करना है, जिसमें मनपा, वन विभाग, पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल हैं। हालांकि, 8 और 9 मार्च को प्रस्तावित निरीक्षण के दौरान अधिकांश सदस्य अनुपस्थित रहे और मौके पर केवल 2-3 अधिकारी ही पहुंचे, जिससे पूरी प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई। इस लापरवाही पर पर्यावरण कार्यकर्ता रोहित सुवर्णा ने कड़ा विरोध जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर तहसीलदार नीलेश गावंडे ने 23 मार्च को दोबारा निरीक्षण का आदेश दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस बार समिति अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाती है या नहीं, क्योंकि मैंग्रोव जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा केवल कागजी प्रक्रिया नहीं, बल्कि ठोस और जिम्मेदार क्रियान्वयन से ही संभव है।

सैटेलाइट निगरानी और हेलिकाप्टर से आग बुझाने की तैयारी

वसई! गणेश नाईक ने पालघर जिले में बढ़ती जंगल की आग की घटनाओं को गंभीर बताते हुए कहा कि अब इन पर काबू पाने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जाएगा। सैटेलाइट (उपग्रह) के जरिए जंगलों की निगरानी की जाएगी और जरूरत पड़ने पर हेलिकॉप्टर से आग बुझाने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। गर्मी की शुरुआत के साथ ही पालघर जिले के डोंगर और जंगल क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन वणवों (जंगल की आग) के कारण वनसंपदा और वन्य जीवों को भारी नुकसान हो रहा है, जिससे पर्यावरण संतुलन पर भी खतरा मंडरा रहा है। नालासोपारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने वसई-विरार और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही आग की घटनाओं पर सवाल उठाए। इस पर मंत्री ने स्वीकार किया कि वणवे एक गंभीर समस्या बन चुकी है और इसे नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। वन विभाग अब सैटेलाइट तकनीक के माध्यम से जंगलों पर नजर रखेगा, ताकि आग लगने की घटनाओं का तुरंत पता लगाया जा सके और समय रहते कार्रवाई हो सके।

विवादों में एमआईएम नगरसेविका

प्रभाग समिति कार्यालय में लगाई पति की तस्वीर

मुंबई! मुंबई महानगरपालिका की राजनीति में एक नया विवाद सामने आया है, जहां एमआईएम की नगरसेविका खैरुन्निसा अख्तर हुसैन अपने ही फैसले को लेकर चर्चा में आ गई हैं। प्रभाग समिति अध्यक्ष बनने के बाद उनके कार्यालय में लगी एक तस्वीर ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया। जानकारी के अनुसार, खैरुन्निसा अख्तर हुसैन ने अपने कार्यालय में अपने पति अकबर हुसैन की तस्वीर पार्टी अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की तस्वीर के साथ लगाई थी। यह मामला तब तूल पकड़ गया जब भाजपा ने इस पर आपत्ति जताई, क्योंकि अकबर हुसैन तड़ीपार घोषित हैं।

भाजपा के विरोध के बाद हटाई गई तस्वीर

भाजपा की ओर से विरोध जताए जाने के बाद एमआईएम नेतृत्व ने तुरंत हस्तक्षेप किया। पार्टी के स्थानीय नेतृत्व के निर्देश पर विवादित तस्वीर को कार्यालय से हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस बार मुंबई महानगरपालिका चुनाव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के आठ नगरसेवक जीतकर आए हैं। पार्टी ने देवनार-गोवंडी क्षेत्र को शामिल करने वाली एम-पूर्व प्रभाग समिति पर भी कब्जा जमाया है, जहां खैरुन्निसा अध्यक्ष चुनी गई हैं।

नगरसेविका की सफाई

इस पूरे मामले पर खैरुन्निसा अख्तर हुसैन ने सफाई देते हुए कहा कि उनके कार्यालय में तस्वीर कार्यकर्ताओं द्वारा लगाई गई थी और उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देश मिलते ही तस्वीर हटा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस मुद्दे को बेवजह तूल दे रहा है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सिर्फ एमआईएम के प्रतिनिधियों को ही इस तरह निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अन्य नेताओं के साथ भी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की तस्वीरें देखी जाती हैं।

मिलकर करेंगे वसुंधरा की रक्षा : महापौर डिंपल मेहता

भाईंदर। मीरा रोड स्थित पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद मैदान में मीरा-भाईंदर मनपा द्वारा 20, 21 और 22 मार्च को वसुंधरा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान पर्यावरण जागरूकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं और विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गईं।

वसुंधरा महोत्सव के अवसर पर मीरा-भाईंदर नगर निगम ने नागरिकों और स्कूली बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कई रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इनमें बैकयार्ड गार्डन प्रतियोगिता, पर्यावरण-अनुकूल परियोजना प्रदर्शनी, आम सफाई प्रतियोगिता, दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता, सर्वश्रेष्ठ हरित विद्यालय और सर्वश्रेष्ठ हरित आवास समिति जैसी श्रेणियां शामिल हैं। प्रोत्साहन के रूप में 22 मार्च 2026 की शाम को तीन श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

हर नागरिक की जिम्मेदारी

पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महापौर डिंपल विनोद मेहता ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य के लिए हर नागरिक को 'एक पेड़ - एक जिम्मेदारी' का संकल्प लेना चाहिए और अपने क्षेत्र में हरियाली बढ़ानी चाहिए।

पंचतत्व आधारित विशेष प्रदर्शनी

महोत्सव के तहत नगर निगम ने पंचतत्व—पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश—के मूल्यों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई है। यहां पर्यावरण और संस्कृति संरक्षण से जुड़े स्टॉल्स पर औषधीय पौधे, बीज, नर्सरी, आयुर्वेदिक सौंदर्य उत्पाद, हस्तशिल्प और हथकरघा वस्त्र प्रदर्शित किए जा रहे हैं। साथ ही सौर सेल, सौर बैटरी और वर्षा जल संचयन जैसी आधुनिक पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

जमीन विवाद में महिला पर जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

वसई। वसई पूर्व के हवाईपाडा स्थित जीवननगर इलाके में जमीन विवाद को लेकर एक महिला पर जानलेवा हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नागरिकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता मंजू समरजीत यादव (28) अपनी बहन के साथ खड़ी थीं। उनकी परिचित नीलम ठाकुर की बहू से जुड़ी एक विवादित कमरे का मामला न्यायालय या पुलिस प्रक्रिया में लंबित है। जब तक फैसला नहीं होता, तब तक उस जगह पर किसी को मिट्टी डालने से रोका गया था। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे आरोपी अशोक रामबली पासवान अपने साथियों के साथ वहां मिट्टी डालने पहुंचे। विरोध करने पर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। घटना के दौरान मुख्य आरोपी अशोक पासवान ने लोहे के फावड़े से मंजू यादव पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोगों में रोष फैल गया है।

चिपलुन की प्लास्टिक कंपनी में लगी भीषण आग

डीबीडी संवाददाता | रत्नागिरी

जिले के चिपलुन स्थित नागावे प्लास्टिक कंपनी में शनिवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। दोपहर के वक्त जब कंपनी में काम चल रहा था, तभी अचानक लपटें उठने लगीं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत हरकत में आ गईं। गनीमत यह रही कि समय रहते सभी मजदूरों को परिसर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

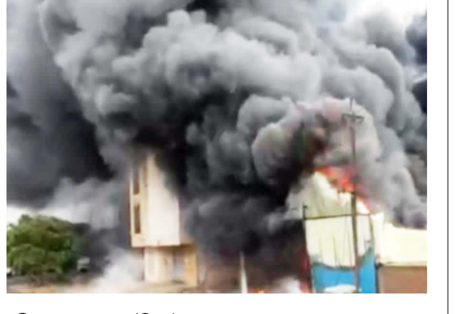

राहत कार्य में ज्वलनशील पदार्थों से बाधा

चिपलुन फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचकर लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि, कंपनी के भीतर भारी मात्रा में प्लास्टिक और ज्वलनशील रसायनों का स्टॉक होने के कारण आग तेजी से फैली और बुझाने के कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। धुएं का गुबार दूर-दूर तक देखा जा सकता है, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार, अभी तक आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। खबर लिखे जाने तक राहत कार्य जारी था और किसी के भी हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है।

संकट में महाराष्ट्र का मत्स्य व्यवसाय

सरकार से हस्तक्षेप की मांग

मुंबई। ईरान-इज़रायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब वैश्विक बाजार के साथ-साथ भारत के स्थानीय उद्योगों पर भी दिखने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के चलते डीजल महंगा हो गया है, जिससे महाराष्ट्र का मत्स्य व्यवसाय गंभीर संकट में आ गया है। अखिल महाराष्ट्र मछुआरा एक्शन कमेटी ने आशंका जताई है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो यह व्यवसाय पूरी तरह ठप हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के बाद तेल कंपनियों ने 20 मार्च 2026 से औद्योगिक और थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल के दाम में लगभग 22 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। इसका सीधा असर उन मछुआरों पर पड़ा है, जो बड़ी मात्रा में डीजल खरीदते हैं। पालघर से सिंधुदुर्ग तक के तटीय जिलों के मछुआरों ने इस मुद्दे पर एकजुट होकर सरकार से त्वरित हस्तक्षेप की अपील की है।

मछुआरों पर बढ़ा आर्थिक बोझ

जहां आम उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल पंप पर डीजल की कीमत करीब 90 रुपये प्रति लीटर है, वहीं मछुआरा सहकारी समितियों को यह 112 रुपये प्रति लीटर से अधिक कीमत पर मिल रहा है। "बल्क कंज्यूमर" की श्रेणी में रखे जाने के कारण मछुआरों को प्रति लीटर करीब 22 रुपये ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। समिति के अध्यक्ष देवेंद्र दामोदर तांडेल ने इसे प्राथमिक क्षेत्र पर लगाया गया अन्यायपूर्ण बोझ बताया है। समिति के उपाध्यक्ष प्रदीप टपके ने चेतावनी दी कि अगर यह मूल्य अंतर जल्द खत्म नहीं किया गया, तो मछुआरे समुद्र में जाना बंद कर देंगे। उनका कहना है कि जब मछली बेचकर मिलने वाली आय से ज्यादा खर्च ईंधन पर होने लगे, तो यह व्यवसाय टिक नहीं सकता। समिति के कार्याध्यक्ष बर्नार्ड डिमेलो ने बताया कि ऐसी ही स्थिति 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी बनी थी। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को ज्ञापन देकर मछुआरों और किसानों के लिए अलग श्रेणी बनाने की मांग की गई थी, ताकि उन्हें औद्योगिक दरों से राहत मिल सके। हालांकि इस पर स्थायी नीति नहीं बन पाई। समिति ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि मछुआरा सहकारी समितियों को "बल्क/इंडस्ट्रियल" श्रेणी से तुरंत बाहर किया जाए।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर भीषण हादसा

बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर मौत

मुंबई। बोईसर के पास मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मृतकों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए।

यह हादसा ढेकाळे के पास वाघोबा खिंड इलाके में शाम करीब 6:30 बजे हुआ। मुंबई की ओर जा रहे मार्ग पर तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर सवार दो पुरुष और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस जांच में जुटी, आरोपी वाहन की तलाश जारी

घटना की सूचना मिलते ही हाईवे पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई शुरू की। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शवों को मनोर ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया है।

यूट्यूब वीडियो को लेकर विवाद

ब्राह्मण महासंघ ने की कार्रवाई की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

डोंबिवली में सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ब्राह्मण समाज का अपमान करने और धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए डोंबिवली ब्राह्मण महासंघ ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महासंघ के पदाधिकारियों ने रामनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस दौरान प्रज्ञेश प्रभुघाटे, अनिकेत घमंडी, सलिल घुले, सुधीर बर्डे, उल्हास दाते, अभिजीत कानिटकर, गौरी धारप, अनघा बोंद्रे, अमरेंद्र पटवर्धन और केदार पाध्ये सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

यूट्यूब वीडियो पर आपत्ति

शिकायत में कहा गया है कि प्रभाकर सूर्यवंशी नामक व्यक्ति 'Aakar DG 9' नाम से यूट्यूब चैनल चलाता है। आरोप है कि उसने 'दक्ष केशव वैद्य, बामनी नाम यवनी कावा' शीर्षक से एक वीडियो जारी किया, जिसमें कथित रूप से ब्राह्मण समाज का मजाक उड़ाया गया और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। महासंघ का कहना है कि वीडियो में इस्तेमाल की गई भाषा और संदर्भ जानबूझकर समाज में तनाव पैदा करने के उद्देश्य से किए गए हैं।

सूरज और हवा से रोशन होगा महाराष्ट्र

नई ऊर्जा भंडारण नीति को मिली मंज़ूरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने भविष्य की ऊर्जा जरूरतों और पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 'रिन्यूएबल एनर्जी और स्टोरेज पॉलिसी 2025-2035' को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। यह नीति अगले 10 वर्षों के लिए राज्य को 'क्लीन एनर्जी हब' बनाने का एक ठोस रोडमैप है। राज्य सरकार ने अगले 10 वर्षों (2025-2035) के लिए लक्ष्य तय किया है कि महाराष्ट्र की कुल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 100 गीगावाट (GW) तक पहुँचाई जाएगी। साथ ही, राज्य द्वारा खरीदी जाने वाली कुल बिजली में क्लीन एनर्जी (सौर, पवन आदि) की हिस्सेदारी 65% करने का लक्ष्य है, जो वर्तमान में काफी कम है।

बढ़ती मांग, सस्टेनेबल विकल्प

अनुमान है कि औद्योगिक विकास और बढ़ते शहरीकरण के कारण 2030 तक महाराष्ट्र की बिजली खपत 260 बिलियन यूनिट तक पहुँच जाएगी। पारंपरिक कोयला आधारित बिजली घरों पर दबाव कम करने के लिए यह नई नीति एक अनिवार्य विकल्प के रूप में देखी जा रही है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना विकास की गति बनी रहेगी।

पिछला ट्रैक रिकॉर्ड

पिछली नीतियों के सफल क्रियान्वयन की वजह से महाराष्ट्र ने अब तक 18 .5 गीगावाट की रिन्यूएबल क्षमता हासिल कर ली है। नई नीति इस आधार को और मजबूत करेगी। इससे न केवल कार्बन उत्सर्जन कम होगा, बल्कि क्लीन एनर्जी सेक्टर में भारी निवेश आने और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की भी उम्मीद है।

हॉर्न बजाने वालों पर सख्त कार्रवाई

मुंबई। शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण के बीच वाहनों के हॉर्न का कर्णकर्कश शोर एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। सबसे ज्यादा हॉर्न का शोर अँटॉप हिल इलाके में दर्ज किया गया है। इसके बाद कालबादेवी, दादर, समतानगर और बोरिवली जैसे क्षेत्रों में भी लगातार तेज आवाज वाले हॉर्न की शिकायतें सामने आई हैं।मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने जनवरी से दिसंबर 2025 के बीच बेवजह हॉर्न बजाने वाले 5,495 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 42.78 लाख रुपये का जुर्माना वसूला। वहीं, जनवरी से 10 मार्च 2026 तक 1,000 चालकों पर 8.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। शहर में इस समय 53 लाख से अधिक वाहनों का पंजीकरण है, जबकि बाहर से आने वाले वाहनों की संख्या अलग है। इसके चलते सड़कों, चौराहों और जंक्शनों पर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में कई चालक बिना जरूरत हॉर्न बजाते हैं, जिससे ध्वनि प्रदूषण और बढ़ जाता है। पुलिस के मुताबिक, 2024 में जहां करीब 21 हजार चालकों पर कार्रवाई की गई थी, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 5,495 रह गई।

23 मार्च को नागपुर में कांग्रेस-वंचित का संयुक्त मोर्चा

आरएसएस मुख्यालय का घेराव करेंगे हर्षवर्धन सपकाल और प्रकाश आंबेडकर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/नागपुर

अमेरिका की 'एपस्टिन फाइल' मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के नाम आने के दावों ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया विवाद छेड़ दिया है। कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) ने इस मुद्दे पर एकजुट होकर 23 मार्च 2026 को नागपुर स्थित आरएसएस (RSS) मुख्यालय के घेराव का ऐलान किया है। सोमवार, 23 मार्च को निकलने वाले इस मोर्चे का नेतृत्व महाराष्ट्र

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष एड. प्रकाश आंबेडकर करेंगे। यह मोर्चा नागपुर के ऐतिहासिक संविधान चौक से शुरू होकर रेशिमबाग स्थित आरएसएस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें समान विचारधारा वाले अन्य छोटे दलों के शामिल होने की भी संभावना है।

एपस्टिन फाइल के गंभीर आरोप

विपक्ष का दावा है कि अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा जारी 'एपस्टिन फाइल' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्री हरदीप पुरी का नाम कई बार आया है। कांग्रेस का आरोप है कि इन फाइलों ने भाजपा और केंद्र सरकार के वास्तविक चरित्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर कर दिया है, जिससे भारत की छवि धूमिल हुई है। मोर्चे के आयोजकों का आरोप है कि प्रधानमंत्री ने अपनी व्यक्तिगत छवि या अन्य दबावों के चलते अमेरिका के साथ ऐसे व्यापारिक समझौते किए हैं जिनसे भारत के किसानों और कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान होगा। विपक्ष इसे देश के स्वाभिमान और संप्रभुता को दांव पर लगाने जैसा बता रहा है।

संघ से सीधे सवाल

कांग्रेस और 'वंचित' का कहना है कि चूंकि आरएसएस भाजपा की मातृसंस्था है और चुनाव प्रक्रिया में बड़ी भूमिका निभाती है, इसलिए उसे जवाब देना होगा। विपक्ष पूछ रहा है कि इतने गंभीर खुलासों के बाद भी संघ ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद पर बनाए रखने का समर्थन क्यों जारी रखा है? 23 मार्च को नागपुर में होने वाले इस प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है।

नासिक दुष्कर्म मामले की हर एंगल से जांच की जानी चाहिए : उद्धव ठाकरे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को नासिक के चर्चित दुष्कर्म मामले और राजनीतिक शुचिता को लेकर कड़े तेवर दिखाए हैं। उन्होंने न केवल इस मामले की 'हर एंगल' से जांच की मांग की है, बल्कि मराठी युवाओं के लिए एक नई शैक्षिक पहल का भी ऐलान किया है। उद्धव ठाकरे ने नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपी अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद कड़ा रुख अपनाया है।

उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि राजनीति का स्तर इतना गिर गया है कि नेता अब ऐसे संदिग्ध बाबाओं के दरबार में हाजिरी लगाने लगे हैं। उन्होंने मांग की कि जो नेता अंधविश्वास और जादू-टोना कानून का उल्लंघन करने वालों को संरक्षण देते हैं, उन पर भी कानूनी गाज गिरनी चाहिए।

'हर एंगल से हो जांच, चाहे मैं ही क्यों न हूँ'

जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि उनके मुख्यमंत्री रहते आरोपी के संस्थान को पानी की सप्लाई दी गई थी, तो उन्होंने बिना झिझक कहा— ₹मैंने 'हर एंगल' से जांच की मांग की है, उसमें यह सवाल भी शामिल है।₹ उनका इशारा साफ था कि जांच में दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए ताकि जनता को अपने चुने हुए प्रतिनिधियों की असलियत पता चल सके।

मराठी युवाओं के लिए लॉजिस्टिक्स कोर्स

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहब ठाकरे के जन्म शताब्दी वर्ष (जो 23 जनवरी से शुरू हुआ है) के उपलक्ष्य में, उद्धव ने मराठी युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट लॉजिस्टिक्स कोर्स' शुरू करने की घोषणा की है। उनका तर्क है कि केवल मराठी अस्मिता के नाम पर आंदोलन करने के बजाय युवाओं को ग्लोबल मार्केट के लिए तैयार करना ज्यादा जरूरी है। शिवसेना (UBT) की इस पहल का उद्देश्य मराठी युवाओं को व्यापार और रसद के क्षेत्र में कुशल बनाकर उन्हें नौकरी देने वाले की भूमिका में लाना है। उद्धव ने कहा कि शिवसेना (UBT) अब मराठी युवाओं को केवल सड़कों पर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार की मेज पर भी देखना चाहती है।

हर गांव में 'पाखंडियों' के खिलाफ एक्शन

उद्धव ठाकरे ने आह्वान किया कि केवल नासिक ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के हर गांव में फैले पाखंडियों और ढोंगी बाबाओं के खिलाफ अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे आरोपी के पास किसी भी पार्टी का झंडा क्यों न हो, कानून के सामने सब बराबर होने चाहिए।

घर के अंदर मिला व्यक्ति का शव

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विक्रोळी के टैगोर नगर इलाके में शुक्रवार को एक घर के अंदर 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्राथमिक जांच में सिर में गंभीर चोट के कारण मौत होने की आशंका जताई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान शशिकांत बनसोडे के रूप में हुई है, जो स्नेहसागर सोसायटी में अकेले रहते थे। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ महीनों से अकेले रह रहे थे और शराब की लत के कारण घर से कम ही बाहर निकलते थे। घर से तेज दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही विक्रोळी पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन घर का दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद अग्निशमन दल को बुलाया गया, जिन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। पुलिस ने बनसोडे को तुरंत डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सिर पर चोट लगने को मौत की वजह माना जा रहा है। परिवार की ओर से किसी पर संदेह न जताए जाने के चलते पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु (ADR) का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग का मामला

मुख्य आरोपी आगरा से गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/आगरा

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई फायरिंग के मामले में फरार चल रहे आरोपी प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू को आखिरकार आगरा से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने अंजाम दी। पुलिस के मुताबिक, 23 वर्षीय प्रदीप शर्मा, जो राधा मोहन शर्मा का पुत्र है और थाना बाह क्षेत्र के महावीर नगर बिजौली का निवासी है, को 21 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3:50 बजे उसके इलाके से पकड़ा गया।

सोशल मीडिया से प्रभावित होकर जुड़ा अपराध से

पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि वह सोशल मीडिया पर गैंग की गतिविधियों से प्रभावित हुआ था। उसके साथी शिवम दुबे ने उसे इस साजिश की जानकारी दी थी, जिसके बाद उसने विष्णु कुशवाहा और दीपक को इस काम के लिए तैयार किया।

पहले ही हो चुकी हैं कई गिरफ्तारियां

पुलिस ने बताया कि इस मामले में 15 फरवरी 2026 को दीपक, विष्णु कुशवाहा समेत पांच अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रदीप शर्मा घटना के बाद से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आगरा में कानूनी प्रक्रिया पूरी कर मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस अन्य संभावित कड़ियों की भी तलाश कर रही है।

1 फरवरी की रात हुई थी वारदात

जांच में सामने आया है कि 1 फरवरी 2026 की रात कुख्यात अंतरराष्ट्रीय अपराधी शुभम लोनकर के गिरोह के इशारे पर रोहित शेट्टी के घर पर अंधाधुंध फायरिंग की गई थी। इस हमले का मकसद फिल्म इंडस्ट्री, उद्योगपतियों और आम लोगों में दहशत फैलाना और रंगदारी के जरिए अपना दबदबा कायम करना था। इस संबंध में मुंबई क्राइम ब्रांच में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आईएसआईएस केस में 12 साल बाद बड़ा एक्शन

मुंबई के 3 वांछितों के खिलाफ कोर्ट की उद्घोषणा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की विशेष एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) अदालत ने 2014 के चर्चित ISIS मामले में एक बड़ा कदम उठाया है। 12 साल पहले भारत छोड़कर इराक गए तीन वांछित आरोपियों के खिलाफ उद्घोषणा जारी कर दी गई है। विशेष न्यायाधीश चकोर बाविस्कर ने NIA की याचिका स्वीकार करते हुए फहद शेख, शाहीन टंकी और अमन टंडेल के खिलाफ आदेश जारी किया है। कानून के मुताबिक, इन तीनों को अब एक महीने के भीतर अदालत में खुद को पेश करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें आधिकारिक रूप से 'भगोड़ा अपराधी' घोषित कर दिया जाएगा।

संपत्तियों पर लटकी तलवार

भगोड़ा घोषित होने के बाद एनआईए को इन तीनों की भारत में मौजूद चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने का कानूनी अधिकार मिल जाएगा। यह उन लोगों पर दबाव बनाने का एक तरीका है जो जांच से बचने के लिए विदेश भाग गए हैं।

क्या था 2014 का मामला?

यह मामला मई 2014 का है, जब कल्याण (मुंबई के पास) के चार इंजीनियरिंग छात्र— अरीब माजीद, फहद, अमन और शाहीन—22 तीर्थयात्रियों के एक समूह के साथ इराक गए थे। बगदाद पहुँचने के बाद, ये चारों समूह से अलग होकर कथित तौर पर आतंकवादी संगठन ISIS में शामिल होने के लिए फल्लुजा चले गए। इस मामले में अब तक केवल अरीब माजीद ही पुलिस की पकड़ में आया है। वह इराक से भारत लौट आया था और उसे आतंकवाद के विभिन्न आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। अन्य तीन साथी अब भी एजेंसी की पहुंच से बाहर हैं।

खरात मामले में मेरा नाम जोड़ना सही नहीं: केसरकर

मुंबई। महिलाओं के यौन शोषण मामले में गिरफ्तार तथाकथित ज्योतिषी अशोक खरात को लेकर सूबे की राजनीति गरमाई हुई है. इस मामले में पूर्व शिक्षा मंत्री व विधायक दीपक केसरकर का नाम भी उछला है। हालांकि केसरकर ने सफाई दी है कि किसी कार्यक्रम में ली गई तस्वीर की वजह से इस मामले से उन्हें जोड़ना सही नहीं है। खरात की जांच चल रही है। इस मामले को लेकर राज्य में काफी हलचल है। इस बीच, कई बड़े नेताओं के साथ खरात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक फोटो में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद श्रीकांत शिंदे और केसरकर दिख रहे हैं। ,विपक्ष की ओर से केसरकर का नाम उठाए जाने के बाद उन्होंने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि खरात का काम बहुत ही घटिया है और वह इसकी निंदा करते हैं। सिर्फ उनकी पहचान या किसी कार्यक्रम में ली गई तस्वीर की वजह से इस मामले में उन्हें शामिल करना सही नहीं है।केसरकर ने कहा कि अशोक खरात ईशान्येश्वर मंदिर के लिए सड़क बनाने पर बात करने के लिए एकनाथ शिंदे से मिलने आए थे। तभी उनकी जान-पहचान हुई और साथ में फोटो भी खिंचवाई गई। इस फोटो का गलत मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए।

नाराज नाबालिगों ने की दोस्त की हत्या

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंधेरी पश्चिम इलाके में दोस्ती का रिश्ता एक खौफनाक मोड़ पर खत्म हो गया, जहां दो नाबालिगों ने मिलकर अपने ही 15 वर्षीय दोस्त और सहकर्मी की गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों का व्यवहार और भी चौंकाने वाला रहा—दोनों पूरी रात शव के पास ही सोते रहे और सुबह पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, यह घटना 17 मार्च को डीएन नगर थाना क्षेत्र के गणेश नगर स्थित विनायक टावर के एक किराए के कमरे में हुई। तीनों नाबालिग साथ रहते थे और पास के एक होटल में काम करते थे। बाहर से उनकी दोस्ती मजबूत दिखती थी, लेकिन अंदर ही अंदर तनाव बढ़ रहा था।

शिकायत बनी हत्या की वजह

जांच में सामने आया है कि मृतक किशोर अपने दोनों साथियों की शिकायत होटल मालिक से करता था। इसी बात को लेकर दोनों आरोपियों के मन में उसके प्रति नाराजगी और गुस्सा बढ़ता गया, जो आखिरकार घातक साबित हुआ। घटना वाले दिन इसी मुद्दे पर शुरू हुआ विवाद हिंसक झगड़े में बदल गया।

शव के पास ही सोए, सुबह रची झूठी कहानी

हत्या के बाद दोनों आरोपियों ने शव को कमरे में ही रखा और रातभर उसी के पास सोते रहे। अगली सुबह उन्होंने कहानी बनाई कि उनका दोस्त बेहोश मिला था और उन्हें उसकी मौत की वजह नहीं पता। हालांकि पुलिस को उनकी कहानी पर शक हुआ। मेडिकल जांच में गला घोंटने के स्पष्ट संकेत मिले, जिसके बाद पुलिस ने दोनों से कड़ी पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों के बयान बदलते रहे और अंततः उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

बाल सुधार गृह भेजे गए आरोपी

मृतक को कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) और 3(5) (समान इरादा) के तहत मामला दर्ज किया। दोनों नाबालिगों को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश कर डोंगरी स्थित बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। डीएन नगर पुलिस स्टेशन इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है, ताकि घटना से जुड़े हर पहलू को स्पष्ट किया जा सके।

9 किलो गांजा बरामदगी मामले में 60 वर्षीय महिला दोषी करार

मुंबई। विशेष एनडीपीएस अदालत ने 2014 के एक ड्रग तस्करी मामले में 60 वर्षीय रमीजा शेख को दोषी ठहराते हुए पांच साल की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उन पर 30,000 का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल की घाटकोपर इकाई को मिली विशेष सूचना के आधार पर 25 अप्रैल 2014 को घाटकोपर पश्चिम स्थित एक सार्वजनिक शौचालय के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके बैग से 9 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसे जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोप लगाया कि रमीजा शेख को झूठा फंसाया गया है और ड्रग्स को जानबूझकर उनके पास रखा गया। साथ ही पंचनामा और पुलिस प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए।

पश्चिम रेलवे
मरम्मत कार्य

ए.ई.ई. (आर.एस.), इलेक्ट्रिक लोको शेड, पश्चिम रेलवे, वलसाड 396001 (गुजरात) **ई-टेंडर सूचना क्रमांक EL/TRS/BL/24-25/WO/21R1, दिनांक 14.03.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** ELS/BL में सभी प्रकार के लोको के सैंड बॉक्स तथा उससे संबंधित उपकरणों का पूर्ण रखरखाव एवं मरम्मत, सैंड बॉक्स में रेत भरना, VCB, BV बॉक्स, रूफ सीटिंग, दरवाजा, खिड़की आदि के गैस्केट बदलना तथा रूफ चैनल की मरम्मत – अवधि 2 वर्ष। **अनुमानित लागत:** 48,71,180.56 **ईएमडी:** 97,400/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 10.04.2026, 12:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 10.04.2026, 12:30 बजे अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें:

1236

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
किराये के आधार पर डेजर्ट कूलर उपलब्ध कराना

Sr. DEE/P/BCT, मुंबई सेंट्रल, पश्चिम रेलवे **निविदा सूचना क्रमांक EL-81-939-WA-88, दिनांक 17.03.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** मुंबई डिवीजन (नॉन-सबअर्बन सेक्शन) के विभिन्न स्थानों पर प्रति वर्ष 4 माह (122 दिन) के लिए 2 वर्षों की अवधि तक किराये के आधार पर डेजर्ट कूलर उपलब्ध कराना। **अनुमानित लागत:** 22,23,328/- **EMD:** 44,500/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 08.04.2026, 15:00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 08.04.2026, 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें

1240

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई–निविदा अनुसूची
क्र.बीएसएल/एसीएल/56255183A

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक एसीएल, मध्य रेल भुसावल और भारत के राष्ट्रपति द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जा रही है। ई–निविदा क्र. 56255183A जिसका समापन दिनांक 20-APR-2026 को 11:30 बजे है। बोली लगाने वाले अपनी निविदा ऊपर दी गई तारीख तक जमा कर सकते हैं। केवल ई–बिड/ई–निविदा ही स्वीकृत की जाएगी। हाथ से लिखा हुआ बिड स्वीकृत नहीं किया जाएगा। **1. टेंडर शीर्षक: निविदा नंबर:** 56255183A, **निविदा प्रकार:** खुला/विज्ञापित, **बोली लगाने की प्रक्रिया:** एकल बोली प्रक्रिया, **निरीक्षण संस्था:** TPI, **प्रकाशन दिनांक/समय:** 19.03.2026 को 16:49:52 बजे, **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,72,87,000/-, **अंतिम तिथि:** 20.04.2026 को 11:30 बजे , **ऑफर की वैधता:** 90 दिन, **मात्रा:** 10 सेट, **2. मद का विवरण:** Microprocessor based control and fault diagnostic system with remote monitoring and analysis feature (MPCS) for 25 KV AC electric locomotives as per RDSO specification No. ELRS/SPEC/MPC-FDS/0001 Rev-3, April-2013 including central and backup data logging & processing system. Material to be procured from RDSO approved vendor as per RDSO Item ID.: 3100685. **3.** विशेष सूचना: इस निविदा का संपूर्ण विवरण **http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।**

DE/15

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

संपादकीय

क्या हमारा समाज संवेदना शून्य हो रहा है?

मुंबई के मुलुंड रेलवे स्टेशन पर पिछले दिनों जो हुआ, उसने न केवल महानगर को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि मानवता को भी शर्मसार किया है। एक पति ने आपसी विवाद के बाद अपनी पत्नी को निर्दयता से चलती लोकल ट्रेन के सामने धकेल दिया। सीसीटीवी कैमरों में कैद यह खौफनाक मंजर देखने के बाद हर संवेदनशील व्यक्ति के मन में एक ही प्रश्न कौंध रहा है—हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है? जिस रिश्ते को सात जन्मों का साथ और सुरक्षा का कवच माना जाता है, वह अचानक 'मौत के जाल' में कैसे बदल गया? यह कोई इकलौती घटना नहीं है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) के हालिया आंकड़े बताते हैं कि भारत में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में 'घरेलू हिंसा' और 'अपनों द्वारा दी गई प्रताड़ना' का हिस्सा सबसे बड़ा है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर घंटे लगभग 50 से अधिक महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। विडंबना देखिए कि 2022-23 की रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ कुल दर्ज अपराधों में से लगभग 32% मामले पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के थे। यह आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि घर की चारदीवारी और सार्वजनिक स्थान, दोनों ही अब सुरक्षित नहीं रहे। मुलुंड की घटना समाज में बढ़ते 'इम्पल्सिव बिहेवियर' (आवेगपूर्ण व्यवहार) का परिणाम है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में इंसान का धैर्य समाप्त होता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर उपजा विवाद कब हिंसक रूप ले ले, कहना मुश्किल है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव, आर्थिक दबाव और संवाद की कमी ने लोगों को भीतर से खोखला कर दिया है। हम भीड़ में तो हैं, लेकिन अकेले हैं। जब गुस्सा विवेक पर हावी हो जाता है, तो इंसान अपनों का ही लहू बहाने से पीछे नहीं हटता। इस घटना का एक और काला पक्ष 'बाइस्टैंडर इफेक्ट' (तमाशबीन संस्कृति) है। अक्सर रेलवे स्टेशनों या सार्वजनिक स्थानों पर झगड़े होते रहते हैं, लेकिन लोग हस्तक्षेप करने के बजाय या तो दूरी बना लेते हैं या मोबाइल से वीडियो बनाने लगते हैं। यदि समाज में सक्रियता होती और लोग समय रहते बीच-बचाव करते, तो शायद कई जानें बचाई जा सकती थीं। सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ती यह 'उदासीनता' अपराधी के हौसले बुलंद करती है। रेलवे पुलिस (GRP) ने आरोपी को पकड़ लिया है और कानून अपना काम करेगा, लेकिन क्या केवल सजा देना ही समाधान है? कानून अपराध के बाद आता है, जबकि समाज को अपराध से पहले जागना होगा। हमें आत्म-मंथन करना होगा कि हमारी शिक्षा और परवरिश में कहाँ कमी रह गई है। क्या हम नई पीढ़ी को केवल पैसा कमाना सिखा रहे हैं, संवेदनाएं नहीं? मुलुंड स्टेशन की वह पटरी, जहाँ एक महिला के प्राण पखेरू उड़ गए, वह केवल एक दुर्घटना स्थल नहीं बल्कि हमारे खंडित होते सामाजिक ढांचे का प्रमाण है। यदि आज भी हम न जागे और हमने अपने भीतर की करुणा और धैर्य को पुनर्जीवित नहीं किया, तो तकनीक और विकास की यह अंधी दौड़ हमें एक ऐसे अंधेरे युग में ले जाएगी,जहां इंसान तो होंगे, पर इंसानियत नहीं। हमें याद रखना होगा कि एक सुरक्षित समाज वही है, सब से कमजोर कड़ी भी खुद को सुरक्षित महसूस करे।

शख्सियत | ए. के. गोपालन

शोषितों, वंचितों और किसानों की बुलंद आवाज

भारत के संसदीय इतिहास और जन आंदोलनों के पन्नों में ए. के. गोपालन एक ऐसा नाम है, जो ताउम्र शोषितों, वंचितों और किसानों की बुलंद आवाज बना रहा। 'एकेजी' के नाम से मशहूर इस जननायक का जीवन संघर्ष, त्याग और अटूट संकल्प की एक अद्भुत मिसाल है। 22 मार्च 1904 को केरल के कन्नूर में जन्में गोपालन ने अपना पूरा जीवन समाज के उस अंतिम व्यक्ति के लिए समर्पित कर दिया, जिसे व्यवस्था ने हाशिए पर धकेल दिया था।

एकेजी ने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षक के रूप में की थी, लेकिन उनके भीतर अन्याय के खिलाफ लड़ने वाली रूह उन्हें शांत बैठने नहीं दे रही थी। 1930 के दशक में जब गांधीजी के आह्वान पर नमक सत्याग्रह शुरू हुआ, तो गोपालन ने खड़िया और ब्लैकबोर्ड छोड़कर आजादी के आंदोलन में छलांग लगा दी। उनके जीवन का सबसे प्रेरक पहलू यह था कि वे केवल राजनीतिक आजादी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों से भी आजादी चाहते थे। केरल के प्रसिद्ध गुरुवायूर मंदिर सत्याग्रह में उनकी भूमिका ऐतिहासिक थी। उस समय दलितों को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। गोपालन ने इस छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ लाठियां खाईं, अपमान सहा, लेकिन पीछे नहीं हटे। यह उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति का ही परिणाम था कि उन्होंने केरल के सामाजिक ढांचे को बदलने में महती भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत के पहले आम चुनाव (1951-52) के बाद, ए. के. गोपालन लोकसभा के लिए चुने गए। उस समय सदन में किसी भी विपक्षी दल के पास 'विपक्ष के नेता' का आधिकारिक पद पाने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं थीं, लेकिन अपनी वाकपटुता, आंकड़ों पर पकड़ और जनहित के मुद्दों को उठाने के कारण उन्हें 'विपक्ष का वास्तविक नेता' माना गया। सदन के भीतर नेहरू जैसे कद्दावर प्रधानमंत्री के सामने भी वे अपनी बात पूरी निडरता से रखते थे। उन्होंने संसद को केवल कानून बनाने की जगह नहीं, बल्कि गरीबों की चीख सुनाने का मंच बना दिया था। उनका मानना था कि यदि सड़क पर आंदोलन शांत हो जाए, तो संसद में लोकतंत्र की आवाज भी कमजोर पड़ जाती है। इसीलिए वे जितने सक्रिय सदन के भीतर थे, उससे कहीं ज्यादा सक्रिय वे किसानों और मजदूरों के बीच खेतों और मिलों में रहते थे। एकेजी के जीवन का एक बड़ा हिस्सा जेल की सलाखों के पीछे बीता। ब्रिटिश शासन हो या स्वतंत्र भारत की सरकारें, जनहित के लिए वे दर्जनों बार जेल गए। 1950 में उनका प्रसिद्ध कानूनी मामला 'ए. के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य' भारतीय संविधान के इतिहास में एक मील का पत्थर है। इस मामले ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और 'कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया' पर देश की सर्वोच्च अदालत को सोचने पर मजबूर कर दिया। उनका जीवन उस 'हिमालयी पंडित' की कहानी की तरह था जो कठिन रास्तों से नहीं डरता था। फर्क सिर्फ इतना था कि पंडित एकांत चाहते थे, जबकि गोपालन जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान ढूंढना चाहते थे। उन्हें कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी ने भी घेरा, लेकिन उन्होंने अंतिम सांस तक विश्राम नहीं किया। ए. के. गोपालन का जीवन हमें सिखाता है कि पद और प्रतिष्ठा से बड़ा 'लोकहित' होता है। आज के दौर में जब राजनीति अक्सर स्वार्थ और सत्ता का खेल बनकर रह गई है, एकेजी का चरित्र एक प्रकाश स्तंभ की तरह है। उन्होंने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और न ही कभी चुनौतियों से मुंह मोड़ा। उनका प्रसिद्ध नारा था कि एक राजनेता को जनता का 'सेवक' होना चाहिए, न कि 'शासक'। आज 22 मार्च को उनके जन्मदिन पर उन्हें याद करना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि उनके संघर्षों से यह सीखने का संकल्प है कि यदि मन में सच्चाई और इरादों में मजबूती हो, तो बड़ी से बड़ी सत्ता को भी जनशक्ति के सामने झुकना पड़ता है। एकेजी आज हमारे बीच नहीं हैं।

आंकड़ों की हरियाली और जंगलों की असली हकीकत

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी
तहसील ऊंचाहार जनपद रायबरेली

भविष्य के लिए भारत को अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं को 'संख्यात्मक विस्तार' से हटाकर 'गुणात्मक सघनता' (Density) पर केंद्रित करना होगा। राष्ट्रीय वन नीति 1988 के तहत निर्धारित 33 प्रतिशत का लक्ष्य आज भी दूर है। 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि हम पौधों के 'विशाल पेड़' बनने तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। वनीकरण के नाम पर पानी सोखने वाली प्रजातियों के बजाय स्थानीय प्रजातियों (नीम, बरगद, पीपल, महुआ, शीशम) को प्राथमिकता देनी होगी, जो मिट्टी की रक्षा भी करते हैं।

विश्व वन दिवस (21 मार्च) केवल उत्सव मनाने का औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह अपनी पारिस्थितिक धरोहर का ईमानदारी से ऑडिट करने का समय है। हाल ही में जारी ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट (GFRA) 2025 की रिपोर्ट भारत के लिए सुखद संकेत लाई है, जिसमें भारत दुनिया में वन क्षेत्र बढ़ाने वाले शीर्ष 3 देशों में शामिल है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश का कुल वन और वृक्ष आवरण अब 8,27,357 वर्ग किमी तक विस्तृत हो चुका है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 25.17 प्रतिशत है। पहली नज़र में ये आंकड़े बड़ी सफलता दिखते हैं, लेकिन गहराई में उतरें तो 'हरियाली' और 'प्राकृतिक जंगल' के बीच का धुंधला अंतर गंभीर चिंता पैदा करता है। प्रश्न यह है कि क्या हम वास्तव में सघन जंगल विकसित कर रहे हैं या केवल आंकड़ों की बाजीगरी में संतोष कर रहे हैं?

उपग्रह (Satellite) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, किसी भी 1 हेक्टेयर से अधिक के क्षेत्र को, जहां वृक्षों की सघनता 10 प्रतिशत से अधिक हो, 'वन' की श्रेणी में रख दिया जाता है। इस उदार परिभाषा के दायरे में प्राकृतिक जंगलों के साथ-साथ व्यावसायिक बागान, जैसे ताड़ के पेड़, आम के बगीचे और सड़कों के किनारे लगी झाड़ियाँ भी शामिल हो जाती हैं। पारिस्थितिकी तंत्र के दृष्टिकोण से, एक बगीचा कभी भी उस 'प्राचीन और सघन जंगल' (Very Dense Forest) का स्थान नहीं ले सकता, जो हजारों वर्षों से जटिल जैव-विविधता का पोषण कर रहा है। वास्तविकता यह है कि भारत में 'बहुत घने वनों' की मात्रा या तो स्थिर है या उसमें गिरावट देखी जा रही है, जबकि 'खुले वनों' (Open Forests) का दायरा बढ़ रहा है। विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण प्राकृतिक वनों का तेजी से क्षरण हुआ है। यह स्पष्ट संकेत है कि हम 'ग्रीन कवर' तो बढ़ा रहे हैं, लेकिन उन 'फेफड़ों' को खो रहे हैं जो वास्तव में कार्बन सोखने की क्षमता रखते हैं।

धरातल पर वनों के संकटों की सूची लंबी है। वनाग्नि (Forest Fire) अब केवल गर्मियों की आपदा नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण साल भर का सिरदर्द बन गई है। मार्च 2026 के शुरुआती हफ्तों में ही देश भर से हजारों 'फायर अलर्ट्स' प्राप्त होना प्रमाण है कि हमारे जंगल असुरक्षित हो चुके हैं। ये लपटें न केवल पेड़ों को नष्ट करती हैं, बल्कि उन सूक्ष्म जीवों और मृदा की उर्वरता को भी खत्म कर देती हैं, जो जंगल के पुनर्जन्म के लिए अनिवार्य हैं। इसके साथ ही, औद्योगिक विकास के नाम पर वन भूमि का गैर-वानिकी कार्यों (खनन, राजमार्ग, बांध) के लिए डायवर्जन एक सतत प्रक्रिया बन गई है। आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 13,000 वर्ग किमी से अधिक वन भूमि वर्तमान में अवैध अतिक्रमण के अधीन है।

एक और मूक संकट 'विदेशी आक्रामक प्रजातियों' (Invasive Species) का प्रसार है। 'लैंटाना कैमरा' जैसी प्रजातियां भारतीय वनों के लगभग 40 प्रतिशत हिस्से को अपनी चपेट में ले चुकी हैं। ये स्थानीय वनस्पतियों का गला घोंट रही हैं और शाकाहारी वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर रही हैं। जब जंगलों के भीतर चारा खत्म हो जाता है, तो वन्यजीव बस्तियों की ओर रुख करते हैं, जिससे 'मानव-वन्यजीव संघर्ष' बढ़ता है। आंकड़ों की हरियाली के नीचे जैव-विविधता दम तोड़ रही है।

भविष्य के लिए भारत को अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं को 'संख्यात्मक विस्तार' से हटाकर 'गुणात्मक सघनता' (Density) पर केंद्रित करना होगा। राष्ट्रीय वन नीति 1988 के तहत निर्धारित 33 प्रतिशत का लक्ष्य आज भी दूर है। 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि हम पौधों के 'विशाल पेड़' बनने तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। वनीकरण के नाम पर पानी सोखने वाली प्रजातियों के बजाय स्थानीय प्रजातियों (नीम, बरगद, पीपल, महुआ, शीशम) को प्राथमिकता देनी होगी, जो मिट्टी की रक्षा भी करते हैं।

असली संरक्षण तभी संभव है जब हम वन समुदायों और आदिवासियों को संरक्षण की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उन्हें 'वन अधिकार अधिनियम' के तहत अधिकार दिए जाएं और आधुनिक तकनीक से लैस किया जाए। तकनीक का उपयोग आंकड़ों के प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि अवैध कटाई और आग पर 'रीयल-टाइम' नियंत्रण के लिए होना चाहिए।

अंततः, हमें स्वीकार करना होगा कि आंकड़ों की कृत्रिम हरियाली जलवायु संकट का समाधान नहीं है। एक समृद्ध राष्ट्र वह है जिसके पास केवल सरकारी फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर जीवित और जैव-विविधता से परिपूर्ण सघन वन हों। यदि हम बागानों और असली जंगलों के बीच के अंतर को नहीं सुधारते, तो आने वाली पीढ़ियां केवल कंक्रीट के बीच आंकड़ों की झूठी हरियाली ही देख पाएंगी। वन दिवस की सार्थकता नए पेड़ लगाने के साथ-साथ, बचे हुए पुराने और घने जंगलों को बचाने के दृढ़ संकल्प में है।

हमारी गीता

नरकवास की आधुनिक परिभाषा

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम अध्याय में अर्जुन का विषाद केवल एक योद्धा का मोह नहीं, बल्कि उन संस्कारों और शिक्षाओं का मंथन है जो उसने जीवन भर आत्मसात की थीं। अर्जुन कहते हैं कि जिस परिवार में कुलधर्म नष्ट हो जाता है, वहां के लोगों को अनिश्चित काल के लिए 'नरकवास' प्राप्त होता है। हालांकि कृष्ण की दृष्टि में यह अर्जुन का भ्रम था, लेकिन यदि हम इस विधान पर गहराई से विचार करें, तो यह आज के समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कुलधर्म का वास्तविक अर्थ है परिवार की 'सांस्कृतिक शुचिता'। भारतीय संस्कृति मूलतः आध्यात्मिक और आचार-प्रधान है। जब परिवार में एकता का अभाव होता है और शुद्ध आचार व पवित्र विचारों का स्थान स्वार्थ ले लेता है, तो हम अनजाने में ही विनाश को आमंत्रण दे देते हैं। आधुनिक सुधारवादी विचारक अक्सर स्वर्ग और नरक को काल्पनिक मानकर खारिज कर देते हैं, परंतु नरक केवल मृत्यु के पश्चात मिलने वाला कोई स्थान नहीं है; हम जीते-जी भी अपना जीवन नरक बना सकते हैं। जहां सुख और शांति का अभाव है, वही नरक है। सुख हमारे श्रेष्ठ कर्मों का फल है। यदि हम शारीरिक, सामाजिक और नैतिक नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो स्वास्थ्य और मानसिक शांति का मिलना असंभव है। इस पृथ्वी पर सुंदर मंदिर, कला, संगीत और आनंदोत्सव स्वर्ग के समान हैं, जबकि अस्पताल, जेल, आपसी झगड़े और युद्ध साक्षात नरक का रूप हैं। जिस प्रकार अग्नि की एक छोटी सी चिंगारी पूरे जंगल को स्वाहा कर देती है, उसी प्रकार अधर्म और अनैतिकता का संसर्ग पूरे समाज को दूषित कर देता है। आज वातावरण में बढ़ता प्रदूषण, व्यापार में फैला भ्रष्टाचार और शरीर में घर करते रोग क्या नरक से कम हैं? यदि पास में पैसा होकर भी आनंद न हो, सुख-सुविधाएं होकर भी अनिद्रा हो और प्राथमिक आवश्यकताओं का अभाव हो, तो यही नरक की स्थिति है। स्वर्ग और नरक हमारी मानसिक स्थिति और कर्मों के प्रतिबिंब हैं।

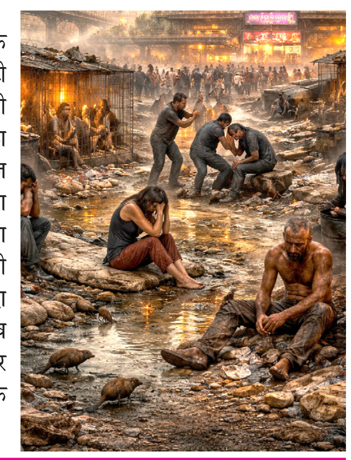

जीवन ऊर्जा

रॉबर्ट एंड्रयूज मिलिकन : जन्म - 22 मार्च 1868 | जन्म

सच्चा धर्म इंसान को विनम्र बनाता है

22 मार्च 1868 को जन्मे अमेरिकी भौतिक विज्ञानी रॉबर्ट एंड्रयूज मिलिकन का जीवन सत्य की खोज में एक अनवरत साधना था। उन्होंने अपने प्रसिद्ध 'ऑयल ड्रॉप' प्रयोग से इलेक्ट्रॉन के आवेश का सटीक मापन किया, जिसके लिए उन्हें 1923 में नोबेल पुरस्कार मिला। 19 दिसंबर 1953 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनकी वैज्ञानिक सूक्ष्मता आज भी आधुनिक भौतिकी का आधार बनी हुई है।

विज्ञान का काम केवल तथ्यों को इकट्ठा करना नहीं, बल्कि उनके पीछे छिपे नियमों को समझना है। सत्य की खोज में कोई भी रास्ता संकरा या कठिन नहीं होता, बस आपके पास धैर्य होना चाहिए। प्रयोगशाला वह मंदिर है हुई जहां प्रकृति अपने रहस्यों को धीरे-धीरे प्रकट करती है। एक छोटा सा प्रयोग भी हज़ारों सिद्धांतों से कहीं अधिक मूल्यवान हो सकता है। विज्ञान हमें यह सिखाता है कि हम जो नहीं जानते, उसे स्वीकार करना ही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। इलेक्ट्रॉन का आवेश मापना केवल गणित नहीं, बल्कि प्रकृति की सूक्ष्मता का सम्मान करना था। खोज का आनंद केवल परिणाम में नहीं, बल्कि उस प्रक्रिया में है जिसे दुनिया 'संघर्ष' कहती है। ब्रह्मांड का हर कण एक व्यवस्था में बंधा है, और विज्ञान उस व्यवस्था की भाषा है। जिज्ञासा वह मशाल है जो अज्ञानता के अंधेरे को दूर करती है। प्रकृति कभी झूठ नहीं बोलती, वह केवल हमारी समझ की प्रतीक्षा करती है। विज्ञान और धर्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही सत्य के दो अलग-अलग पहलू हैं। ईश्वर में विश्वास और विज्ञान का अध्ययन, दोनों ही मानव चेतना को ऊंचा उठाते हैं। जितना अधिक मैं विज्ञान को समझता हूं, उतना ही अधिक मुझे एक 'सर्वोच्च शक्ति' का बोध होता है। धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है और विज्ञान के बिना धर्म अंधा। ईश्वर वह महान गणितज्ञ है जिसने इस ब्रह्मांड की रचना की है। प्रार्थना केवल शब्द नहीं, बल्कि उस अनंत शक्ति से जुड़ने का एक सूक्ष्म प्रयोग है। सच्चा धर्म इंसान को विनम्र बनाता है, ठीक वैसे ही जैसे सच्चा विज्ञान। अध्यात्म हमें 'क्यों' बताता है और विज्ञान हमें 'कैसे' समझाता है। ब्रह्मांड की विशालता को देखकर कोई भी समझदार व्यक्ति नास्तिक नहीं रह सकता। आत्मा की खोज भी उतनी ही वैज्ञानिक हो सकती है जितनी एक परमाणु की खोज। जीवन का उद्देश्य केवल जीवित रहना नहीं, बल्कि कुछ ऐसा छोड़ जाना है जो दूसरों के काम आए।

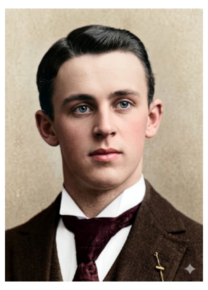

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

समर्पण की पराकाष्ठा: जब विधाता खुद परोसने आया

भारतीय अध्यात्म और भक्ति परंपरा में 'अजगर करै न चाकरी' जैसे कालजयी दोहे की रचना करने वाले संत मलूक दास जी के जीवन की यह घटना मात्र एक कहानी नहीं, बल्कि 'पूर्ण समर्पण' और 'अटूट विश्वास' का एक जीवंत दर्शन है। मलूक दास जी के मन में एक बार एक विचित्र किंतु गहरा 'हठ' पैदा हुआ। उन्होंने सोचा कि यदि ईश्वर वास्तव में कण-कण में विद्यमान है और वह घट-घट की जानता है, तो क्या वह मुझे इस निर्जन अरण्य में भी ढूंढ लेगा? क्या वह मुझे बिना मांगे और बिना हाथ पैर हिलाए भोजन कराएगा? अपनी इस जिज्ञासा और ईश्वर के प्रति अपने विश्वास को आजमाने के लिए मलूक दास जी एक वीरान जंगल की ओर निकल पड़े। वहां उन्होंने एक विशाल और ऊंचे बरगद के पेड़ को चुना और उसकी सबसे घनी डाल पर जाकर छिप गए। उनकी शर्त अत्यंत कठिन और स्पष्ट थी—न वे हाथ हिलाएंगे, न मुँह खोलेंगे और न ही किसी से याचना करेंगे। वे देखना चाहते थे कि वह 'जगदीश्वर' अपनी रची हुई सृष्टि के जीव को भोजन कैसे उपलब्ध कराता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

जैसे-जैसे शाम ढलने लगी, भूख से उनका शरीर टूटने लगा और प्राण व्याकुल होने लगे, परंतु मलूक दास जी अपने संकल्प पर हिमालय की तरह अडिग थे। तभी नियति ने अपना चक्र घुमाया और कुदरत के पहिये कुछ इस तरह घूमे कि परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं। अचानक उस निर्जन मार्ग से राजा का एक शाही काफिला गुजरा। राजा के सेवकों ने वहां विश्राम करने के लिए छप्पन भोग सजाए, लेकिन नियति देखिए—तभी डाकुओं के आने की आहट सुनाई दी। अपनी जान बचाने की हड़बड़ी में राजा और उनके सैनिक सारा राजसी भोजन और कीमती बर्तन वहीं छोड़कर भाग निकले।

अब पेड़ के नीचे स्वर्ण और चांदी के पात्रों में छप्पन भोग सजे थे, जिनकी सुगंध हवाओं में तैर रही थी। मलूक दास जी ऊपर डाल पर बैठे यह सब देख रहे थे, पर उनकी जिद अब भी बरकरार थी। तभी वहां मौत का दूसरा नाम यानी खूंखार लुटेरों का एक गिरोह आ धमका। कीमती बर्तनों और राजसी भोजन को देख डाकुओं का सरदार ठिठक गया। उसे लगा कि इस वीरान जंगल में इतना भव्य भोजन पक्का कोई चाल है। उसने गरजकर कहा, ₹रुको! यह हमें फंसाने की साजिश लगती है। इसमें जरूर जहर मिलाया गया है ताकि हमें मारकर हमारा माल लूटा जा सके।₹ तभी एक डाकू की नजर ऊपर बरगद के घने पत्तों के बीच छिपे मलूक

दास जी पर पड़ी। डाकुओं ने उन्हें जबरन नीचे उतारा। भूख से निढाल और पीले पड़ चुके चेहरे वाले मलूक दास जी ने न कुछ कहा और न ही कोई हलचल की। सरदार को यकीन हो गया कि यही वह व्यक्ति है जिसने भोजन में जहर मिलाया है। उसने अपनी नंगी तलवार मलूक दास जी की गर्दन पर रख दी और दहाड़कर बोला, ए ढोंगी! अब तू ही इस खाने को पहले खाएगा, वरना इसी पल तेरा सिर धड़ से अलग कर दूँगा। मलूक दास जी मन ही मन मुस्कुराए। उनकी शर्त थी कि वे मुँह नहीं खोलेंगे, इसलिए उन्होंने अपना जबड़ा और कस लिया।

अपने विचार

आप सऊदी अरब जाकर हाथ मिलाते हैं, दुबई जाकर हाथ मिलाते हैं। लेकिन अपने ही देश में भेदभाव करते हैं। आप और आपकी सरकार ही सबसे बड़े घुसपैठिए हैं।

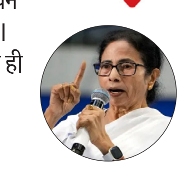

-ममता बनर्जी
सीएम पश्चिम बंगाल

शक्ति सिंह यादव जैसे राजद नेता विपक्षी एकता की बात करते थे। अब जब वे अपने ही विधायकों को एकजुट रखने में विफल रहे हैं, तो राजद और कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वे अपने विधायकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर एक मिसाल कायम करें।

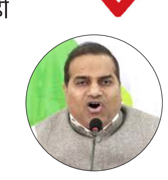

-नीरज कुमार
राष्ट्रीय प्रवक्ता, जेडीयू

सरकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत देश में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने जा रही है। ये संस्थान न केवल रक्षा सेवाओं के लिए युवाओं को तैयार करते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए भी उन्हें सक्षम बनाते हैं।

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लें और यह सुनिश्चित करें कि घटना में शामिल अपराधियों की जल्द से जल्द पहचान हो। अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस और प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए।

-योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

माझगांव में शिवसेना द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को सहायता सामग्री का वितरण

मुंबई। माझगांव दारूखाना क्षेत्र स्थित मीरा दातार दरगाह में चैत्र पाडवा के पावन अवसर पर शिवसेना चिकित्सा सहायता कक्ष की ओर से एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में शाखा क्रमांक 209 के अंतर्गत जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को वॉकर, सहारा छड़ी (स्टिक) और इलेक्ट्रिक हॉट वॉटर बैग जैसी आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं। चिकित्सा सहायता कक्ष के उपाध्यक्ष जितेंद्र सकपाळ द्वारा आयोजित इस पहल में दक्षिण मुंबई विभाग प्रमुख ललित शिंदे सहित कई प्रमुख पदाधिकारियों और शिवसैनिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहाँ झोपड़पट्टी क्षेत्रों से आए लाभार्थियों ने इस मानवीय सहायता के लिए शिवसेना के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

अंबरनाथ, बदलापुर और वांगणी में अकीदत के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर

अंबरनाथ। अंबरनाथ, बदलापुर और वांगणी में मुस्लिम समाज ने ईद-उल-फितर का पर्व अकीदत और मोहब्बत के साथ मनाया। अंबरनाथ के ईदगाह मैदान में मुस्लिम जमात की देखरेख में ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें 25 हजार से अधिक लोगों ने तीन जमातों में नमाज पढ़ी। नमाज के बाद मौलाना जहीर साहब ने देश और दुनिया में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ की। ईदगाह मैदान के अलावा जूना भिंडी पाड़ा, उल्हासन चाल, आयुध निर्माणी और नया भिंडी पाड़ा क्षेत्रों में भी नमाज की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे पूरे शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों में उत्साह और रौनक देखने को मिली। अहले हदीस जमात, सिद्धार्थ नगर मस्जिद के पदाधिकारियों के अनुसार नगरपालिका मुख्यालय के सामने स्थित महात्मा गांधी विद्यालय के हॉल में भी नमाज अदा की गई, जहां महिलाओं ने भी पर्दे में रहकर सामूहिक नमाज पढ़ी। वहीं, उल्हासनगर में भी ईद धूमधाम से मनाई गई। सेक्शन-17 स्थित बरकतिया मस्जिद मदरसा ट्रस्ट के सदर हाजी रिजवान खान ने बताया कि यहां दो जमातों में हजारों लोगों ने नमाज अदा की। इसके अलावा गुलशन नगर, आजाद नगर, सी-ब्लॉक, सम्राट अशोक नगर, भावजी नगर और विठ्ठलवाड़ी क्षेत्रों में भी लोगों ने नमाज अदा कर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।

विवि में आधुनिक और वैज्ञानिक पाठ्यक्रम होने चाहिए : उपराष्ट्रपति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

लोक भवन में आयोजित 'रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय' (RTMSSU) के पहले दीक्षांत समारोह में सी पी राधाकृष्णन ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश में शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी को खत्म करने के लिए अब ठोस और आधुनिक कदम उठाने होंगे। उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा कि पारंपरिक शिक्षा प्रणाली अब पर्याप्त नहीं है। विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम को वैश्विक जरूरतों के अनुरूप ढालना होगा, ताकि छात्र तेजी से बदलती दुनिया में प्रतिस्पर्धा कर सकें। उनके अनुसार, शिक्षा को अधिक वैज्ञानिक, व्यावहारिक और भविष्य उन्मुख बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

रतन टाटा की विरासत से प्रेरणा

विश्वविद्यालय के नाम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रतन टाटा की सोच हमें यह सिखाती है कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ रोजगार तक सीमित नहीं होना चाहिए। संस्थानों को ऐसे जिम्मेदार नागरिक तैयार करने चाहिए, जो समाज के प्रति अपने दायित्व को समझें और निभाएं।

कौशल विकास पर विशेष जोर

अपने संबोधन में उन्होंने 'अनुकूलन क्षमता' को सफलता का मूल मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की असली ताकत उसके लोगों के कौशल में होती है। छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संचार कौशल, टीम वर्क, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और व्यवहारिक समझ विकसित करनी होगी। केवल सैद्धांतिक ज्ञान अब पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योग की जरूरतों के अनुसार कौशल हासिल करना जरूरी है।

नशामुक्ति का संदेश और नई पहल

कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने 'Say No to Drugs' अभियान की शुरुआत की और युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और जागरूक युवा ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के तहत आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें शिक्षा और उद्योग के तालमेल को प्रदर्शित किया गया।

गणमान्य हस्तियों की रही मौजूदगी

इस महत्वपूर्ण अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार और कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। उपराष्ट्रपति के आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया।

मीरा-भाईंदर मेट्रो-9 सेवा अप्रैल में शुरू होने के संकेत

▶▶ परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने काशीगांव स्टेशन का किया निरीक्षण

भाईंदर। लंबे समय से प्रतीक्षित मेट्रो-9 परियोजना अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने काशीगांव मेट्रो स्टेशन के निरीक्षण के बाद संकेत दिए हैं कि यह सेवा अप्रैल 2026 में आम जनता के लिए शुरू की जा सकती है। शनिवार को किए गए निरीक्षण के दौरान मंत्री सरनाईक ने स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था, इमरजेंसी सिस्टम, कंट्रोल रूम और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि सभी आवश्यक तकनीकी और सुरक्षा प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिए गए हैं।

यात्रियों को मिलेगा बड़ा लाभ

मेट्रो-9 सेवा शुरू होने के बाद हर घंटे करीब 4,500 यात्रियों को सफर की सुविधा मिलेगी, जबकि प्रतिदिन लगभग 50,000 लोग इसका लाभ उठा सकेंगे। इससे मीरा-भाईंदर क्षेत्र में ट्रैफिक जाम कम होने और प्रदूषण घटने की उम्मीद है।

अप्रैल में शुरू हो सकती है सेवा

मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि परियोजना का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब केवल औपचारिक उद्घाटन बाकी है। सुरक्षा प्रक्रियाओं के कारण देरी हुई, लेकिन अब सभी बाधाएं दूर हो चुकी हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अप्रैल महीने में मेट्रो सेवा शुरू कर दी जाएगी।

8.146 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत निजामपुरा पुलिस ने 46 वर्षीय कुलदीप सिंह को अवैध रूप से गांजा रखने और बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 8.146 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 4.27 लाख बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मिथपाड़ा (शेलार क्षेत्र) का निवासी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह नशीले पदार्थों का अवैध भंडारण कर रहा है। इसके आधार पर संगमपाड़ा स्थित गजेंगी हॉल के पास जाल बिछाकर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली, जहां से 8 किलो 146 ग्राम हरा, गीला गांजा (पत्तियां और फूल सहित)

बरामद किया गया। पुलिस का मानना है कि यह माल अवैध बिक्री के लिए रखा गया था। इसके अलावा आरोपी के पास से मोबाइल फोन और आधार कार्ड भी जब्त किया गया। इस मामले में अपराध शाखा के पुलिस कांस्टेबल भावेश घरत की शिकायत पर निजामपुरा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

देवी के चरणों में आगरी-कोली संस्कृति का जश्न

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

कोपरी स्थित संत तुकाराम मैदान में चल रहे चैत्र नवरात्रि उत्सव के दौरान शुक्रवार को एक अद्भुत सांस्कृतिक दृश्य देखने को मिला। धर्मवीर आनंद दिघे प्रतिष्ठान और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा आयोजित इस उत्सव में आगरी-कोली संस्कृति की झलक श्री अंबे माता के चरणों में अर्पित की गई। 'आगरी कोली बाना' नामक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से कलाकारों ने गीत-संगीत और नृत्य की ऐसी शानदार प्रस्तुति दी कि वहां मौजूद भक्त और दर्शक पारंपरिक धुनों पर थिरकने को मजबूर हो गए।

सदाबहार गीतों और कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति

इस सांस्कृतिक संध्या में अविनाश कबाड़ी, शशांक पाटिल और पूर्णिमा काकड़े जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान 1970 और 80 के दशक के लोकप्रिय गीत, जैसे ‘मी डोलकर...र', की प्रस्तुति ने माहौल को पुरानी यादों और उत्साह से भर दिया। मशहूर अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम में नारली पूर्णिमा से लेकर कोलीवाड़ा के प्रसिद्ध 21 दिवसीय गणेशोत्सव तक के विभिन्न त्योहारों को गीतों के माध्यम से बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया।

दिग्गजों की उपस्थिति में महाआरती

उत्सव की शुरुआत अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर और अभिनेता मंगेश देसाई द्वारा देवी की भव्य महाआरती के साथ हुई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और शिवसेना के कई वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। उद्घोषक सुशील कुमार ने अपने अनूठे अंदाज में साढ़े तीन शक्तिपीठों की महिमा और लोक त्योहारों के महत्व को दर्शकों के सामने रखा।

निजी स्कूलों को राहत

22 विद्यालयों को पहली बार मिला अनुदान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका की शिक्षा समिति ने एक अहम फैसला लेते हुए शहर की निजी गैर-अनुदानित स्कूलों को राहत देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नई शिक्षा समिति की पहली बैठक में 22 स्कूलों को पहली बार अनुदान देने की मंजूरी दी गई, जिनमें 13 मराठी माध्यम के विद्यालय शामिल हैं। इस फैसले से बंद होने की कगार पर पहुंच रही मराठी स्कूलों को नया सहारा मिलने की उम्मीद है। मुंबई में निजी संस्थाओं द्वारा संचालित कक्षा 1 से 4 तक की 377 प्राथमिक स्कूलों को 1968 की अनुदान संहिता के तहत सहायता दी जाती रही है। इसके बावजूद कई स्कूल अब तक अनुदान से वंचित थे। खासकर 92 मराठी माध्यम की गैर-अनुदानित स्कूलों को अब तक कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही थी।

शिक्षा समिति का अहम निर्णय

मुंबई महानगरपालिका की शिक्षा समिति की पहली बैठक में इस प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय लिया गया। समिति की अध्यक्ष राजश्री राजेश शिरवडकर ने पदभार संभालने के तुरंत बाद इस दिशा में पहल की। उन्होंने बताया कि पात्र स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से अनुदान देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। समिति ने 12 स्कूलों की मान्यता अवधि बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है, जिनमें 5 मराठी माध्यम के स्कूल शामिल हैं। इससे इन स्कूलों के संचालन को स्थिरता और मजबूती मिलेगी।

60% तक अनुदान की व्यवस्था

वित्त वर्ष 2025-26 से इन गैर-अनुदानित स्कूलों (अंग्रेजी माध्यम को छोड़कर) को 60 प्रतिशत तक अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। इसमें 30 प्रतिशत राशि महानगरपालिका और 30 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए शिक्षा बजट में कुल 450 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हालांकि, 92 स्कूलों में से 34 को अनुदान नहीं मिल पाएगा।

जर्जर छतों के नीचे सफाई कर्मचारियों की जिंदगी

▶▶ मुख्यमंत्री से करेंगे घर के अधिकार की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वर्षों से शहर की सफाई में जुटे मुंबई महानगरपालिका के सफाई कर्मचारी अब अपने आवास अधिकार के लिए एकजुट हो गए हैं। म्युनिसिपल मजदूर यूनियन के नेतृत्व में 23 मार्च को बड़ी संख्या में कर्मचारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे। इसके लिए मलबार हिल स्थित 'वर्षा' निवास पर जुटने की तैयारी की जा रही है।

सफाई कर्मचारियों को मालिकाना हक के घर देने का सरकारी निर्णय 2008 में लिया गया था। इसके बावजूद आज तक बहुत कम प्रगति हो पाई है। मुंबई महानगरपालिका में वर्तमान में करीब 29,618 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, लेकिन इनमें से केवल 50 को ही अब तक स्थायी घर मिल पाया है।

खतरनाक हालात में रह रहे कर्मचारी

मुंबई में सफाई कर्मचारियों के लिए 46 सेवा आवास उपलब्ध हैं, जिनमें से अधिकांश इमारतें जर्जर और खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी हैं। पहले बाबू गेनू मंडी इमारत हादसे में 69 कर्मचारियों की मौत ने इस मुद्दे को गंभीर बनाया था। इसके बाद पुनर्विकास की योजना शुरू हुई, लेकिन कोरोना काल के दौरान यह प्रक्रिया ठप हो गई। फिलहाल केवल 5,596 कर्मचारियों को अलग-अलग कॉलोनियों में सेवा आवास उपलब्ध कराया गया है।

अब सड़क पर उतरकर दबाव बनाने की तैयारी

लंबे समय से प्रशासन स्तर पर चर्चा के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकलने के कारण अब कर्मचारी सीधे सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने जा रहे हैं। यूनियन के अध्यक्ष अशोक जाधव और महासचिव वामन कविस्कर ने सभी सफाई कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ बड़ी संख्या में 23 मार्च को 'वर्षा' निवास पहुंचें, ताकि इस मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा सके।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

जन्मकुंडली में इन ग्रहों के संयोग से बनता है सरकारी नौकरी का योग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सरकारी नौकरी की संभावनाओं का आंकलन मुख्य रूप से जन्मकुंडली के दशम भाव का विश्लेषण करके किया जाता है। यह भाव करियर, प्रोफेशन और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। किसी व्यक्ति के जन्म के समय ग्रहों की स्थिति उसके करियर, व्यक्तित्व, कारोबार, सेहत और वैवाहिक जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। कुंडली में कई ऐसे विशेष योग और राजयोग होते हैं, जिनके बनने से व्यक्ति के सरकारी

प्रियंका जैन
9769994439

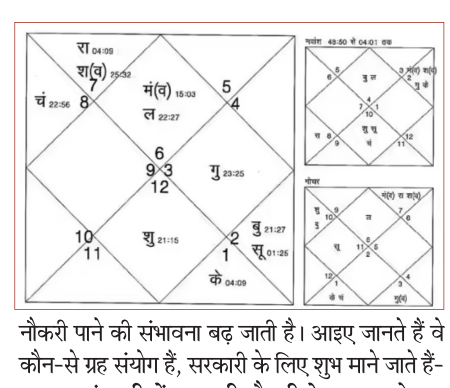

नौकरी पाने की संभावना बढ़ जाती है। आइए जानते हैं वे कौन-से ग्रह संयोग हैं, सरकारी के लिए शुभ माने जाते हैं-

जन्मकुंडली में सरकारी नौकरी के प्रमुख योग

१. लग्न में मजबूत सूर्य

यदि कारकांश जन्मपत्री में सूर्य लग्न में मेष राशि में स्थित हो और कुंडली में तीन-चार अन्य ग्रह शुभ स्थिति में हों, तो व्यक्ति में नेतृत्व क्षमता बढ़ती है। ऐसे जातक प्रशासनिक सेवाओं मंअ जाते हैं और समाज में विशेष सम्मान प्राप्त करते हैं।

२. दूसरे, छठे और दसवें भाव में बलवान सूर्य

यदि कुंडली के द्वितीय, षष्ठ और दशम भाव में सूर्य स्वराशि, उच्च राशि या मूलत्रिकोण में स्थित हो, तो सरकारी नौकरी की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। साथ ही यह देखना आवश्यक है कि सूर्य कितने डिग्री पर स्थित है और उस पर किन ग्रहों की दृष्टि पड़ रही है।

३. इन भावों में मजबूत गुरु

अगर गुरु ग्रह भी दूसरे, छठे या दसवें भाव में बलवान हो, तो यह सरकारी नौकरी का प्रबल योग बनाता है। ऐसे लोग सात्विक, धार्मिक प्रवृत्ति वाले और प्रतिष्ठित पदों पर पहुँचने वाले होते हैं।

४. दशमेश की दृष्टि और शुभ ग्रहों का द्विद्वादश योग

यदि दशम भाव पर दशमेश की दृष्टि हो और जन्मांग चक्र में शुभ ग्रह द्विद्वादश योग बनाते हों, तथा लग्नेश मजबूत हो-तो व्यक्ति प्रशासनिक सेवाओं या उच्च सरकारी पदों पर पहुंच सकता है। ऐसे लोग साहसी, पराक्रमी और निर्णय क्षमता में मजबूत होते हैं।

५. चंद्रमा ग्यारहवें भाव में और गुरु तीसरे भाव में

कुंडली में यदि चंद्रमा 11वें भाव और गुरु 3रे भाव में स्थित हों, तो यह योग जीवन में सुख, समृद्धि और सरकारी नौकरी की प्राप्ति का संकेत देता है। ऐसे लोग शिक्षा क्षेत्र में-शिक्षक, प्रोफेसर या प्रिंसिपल-जैसे पदों पर भी आगे बढ़ते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

हिमाचल बजट : 300 यूनिट फ्री बिजली, 1500 रुपये मासिक मदद

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने वित्त वर्ष 2026–27 का बजट पेश करते हुए सामाजिक सुरक्षा, युवाओं के सशक्तिकरण, नशामुक्ति और कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। बजट में विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, महिलाओं और युवाओं के लिए राहत एवं अवसर बढ़ाने पर फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के एक लाख अति गरीब परिवारों की महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही इतने ही परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार की उम्मीद है। धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस राशि से मंडी में बन रहे शिव धाम परियोजना को पूरा किया जाएगा, जिससे पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने की संभावना है। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नई औद्योगिक नीति और एक फ्लैगशिप पॉलिसी लागू करने की घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में निवेश आकर्षित करना और रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। नशे के खिलाफ सख्ती बढ़ाने के तहत पुलिस बल में 1000 अतिरिक्त कांस्टेबलों की भर्ती की जाएगी। साथ ही 50 महिला सब–इंस्पेक्टरों की सीधी भर्ती का भी ऐलान किया गया है।

भ्रष्टाचार करने वालों को नसीहत का हक नही :साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरगुजा ओलिंपिक और छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल कानून को लेकर कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ा प्रतिवाद किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का कार्यकाल भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा रहा, उन्हें मौजूदा सरकार को सीख देने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते पांच वर्षों में जिन्होंने शासन चलाया, वे अब नसीहत देने की कोशिश कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जनादेश मिलने के बावजूद अपने वादों को पूरा नहीं किया और आम जनता के साथ–साथ अपने ही लोगों को न्याय दिलाने में विफल रही। ऐसे में उनकी आलोचनाएं निराधार प्रतीत होती हैं। विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल कानून के जरिए भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध बनाया जाएगा।

सड़क हादसे में फरसा वाले बाबा की मौत के बाद बवाल

भीड़ को संभालने के लिए उतरी सेना

- उग्र प्रदर्शन की वजह से तीन घंटे जाम रहा दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग
- मुख्यमंत्री ने लिया घटना का संज्ञान, एसएसपी बोले- सामान्य सड़क हादसा

एजेंसी । मथुरा

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसीकलां थाना क्षेत्र में फरसा वाले बाबा के नाम से पहचान रखने वाले गौ सेवक चंद्र शेखर की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद इलाके में तनाव फैल गया। हालात बिगड़ने पर भीड़ ने पथराव किया, जिसके बाद स्थिति नियंत्रित करने के लिए सेना को बुलाना पड़ा।

...पीछे से आ रहे ट्रक ने रौंदा

सेना की सक्रियता से अंतत: हालात काबू में आए। घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। इस बीच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने स्पष्ट किया कि यह एक सामान्य सड़क हादसा है और इसमें गौतस्करी जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार देर रात लगभग तीन से चार बजे के बीच कोसीकलां थाना क्षेत्र में चंद्रशेखर उर्फ फरसा बाबा ने एक संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया।

पुलिस कर्मी घायल, वाहन क्षतिग्रस्त

ट्रक चालक और परिचालक अलवर के निवासी बताए गए हैं, जिनमें चालक घायल हो गया और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और थाना छाता क्षेत्र में जाम लगा दिया। आक्रोशित भीड़ ने पथराव किया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए और कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने हालात नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया और जाम हटाने की कार्रवाई शुरू की।

लाठी चार्ज के बाद छोड़े आंसू गैस के गोले

स्थिति गंभीर होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज के साथ आंसू गैस के गोले भी छोड़े। मौके पर पहुंचे डीआईजी समेत अन्य अधिकारियों ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब स्थिति काबू में नहीं आई तो सेना को बुलाया गया। सेना की कार्रवाई के बाद उपद्रवियों को खदेड़ा गया और करीब तीन घंटे बाद दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल हो सका। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

राम के दरबार पहुंचे 'सुपर जाइंट्स'

एजेंसी । अयोध्या

इंडियन प्रीमियर लीग के नए सत्र के आगाज से पहले लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम शनिवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पहुंची, जहां खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने रामलला के दरबार में विधिवत दर्शन-पूजन किया और सफल अभियान की कामना की। करीब 20 सदस्यीय टीम के साथ पहुंचे खिलाड़ियों का मंदिर परिसर में मंदिर व्यवस्था से जुड़े गोपाल राव और पुलिस अधीक्षक सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने स्वागत किया। इस दौरान टीम के मालिक संजीव गोयनका भी उपस्थित रहे और सभी ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना में भाग लिया।

GST : कोयला कारोबारी पिता-पुत्र गिरफ्तार

एजेंसी । मीरजापुर

फर्जी कंपनियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी के मामले में पुलिस ने कोयला व्यवसायी पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ लंबे समय से जांच चल रही थी और ठोस साक्ष्य मिलने के बाद कार्रवाई की गई। जीएसटी विभाग की उपायुक्त कनक तिवारी की तहरीर पर 22 दिसंबर 2025 को भदोही के छेछुआ गांव निवासी यज्ञवासिनी सिंह और उनके बेटे स्वतेज सिंह उर्फ राज के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

फर्जी दस्तावेजों पर फर्मों का पंजीकरण

जांच के दौरान पुलिस को तीन अन्य फर्मों के बारे में भी जानकारी मिली, जिनका पंजीकरण फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कराया गया था। इन फर्मों का उपयोग कर राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बजाज इंटरप्राइजेज और बनारस ट्रेडिंग के जरिए करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी की गई।

अफवाहों पर न जाएं, सुरक्षित है विक्रमशिला सेतु

- सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने दिया स्पष्टीकरण

एजेंसी । भागलपुर

विक्रमशिला सेतु के नीचे एक फॉल्स दीवार के नदी में गिरने की खबर के बाद प्रशासन ने तत्काल स्थिति का जायजा लिया और पुल की सुरक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने सेतु को पूरी तरह सुरक्षित बताया है। जांच के उपरांत उन्होंने कहा कि सेतु के मुख्य ढांचे में किसी प्रकार की कोई क्षति या तकनीकी खामी नहीं पाई गई है।

फाल्स दीवारें स्थाई संरचना का हिस्सा नहीं

उन्होंने जानकारी दी कि निर्माण के दौरान पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए अस्थायी रूप से फॉल्स दीवारें बनाई जाती हैं, जो स्थायी संरचना का हिस्सा नहीं होतीं। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इन्हें हटाया जाना था, लेकिन कुछ दीवारें उस समय नहीं हटाई जा सकीं। उन्हीं में से एक दीवार अब क्षतिग्रस्त होकर नदी में गिर गई है।

हटाई जाएगी क्षतिग्रस्त हुई फाल्स दीवार

एसडीओ ने कहा कि शेष बची क्षतिग्रस्त दीवार को भी जल्द ही पूरी तरह हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले दो दिनों से कुछ टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर विक्रमशिला सेतु के पाया संख्या 19 को नुकसान पहुंचने की खबरें चलाई जा रही हैं, जो पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें और केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें।

आंधी-बारिश और वज्रपात का कहर चार की मौत

- अररिया और गया जिले में दो-दो लोगों की हुई मौत
- रबी की सभी फसलों को बड़े पैमाने पर हुआ नुकसान

एजेंसी । मीरजापुर

बिहार में शुक्रवार देर रात मौसम ने अचानक करवट ली, जहां तेज आंधी, बारिश और वज्रपात की घटनाओं ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई जिलों में फसलों को भारी क्षति पहुंची है।

बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और सक्रिय ट्रफ लाइन के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। दिन के समय बढ़ती गर्मी से वातावरण में अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे आंधी और बारिश की स्थिति बन रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह जहां मौसम सामान्य रहा, वहीं शाम होते–होते तेज हवाओं और बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। जिले में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की जान चली गई।

अररिया में ओलावृष्टि से फसल चौपट

तेज आंधी बारिश के साथ ओलावृष्टि अररिया जिले में कहर बनकर टूटी है। तेज आंधी बारिश और ओलावृष्टि के कारण भारी जानमाल की क्षति हुई है। फारबिसगंज के कोठीहाट वार्ड संख्या 02 में तेज आंधी और बारिश के कारण एक फूस के घर की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसमें एक तीन साल के मासूम बच्चे शिवम राय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं फारबिसगंज दरभंगिया टोला में जेसीआई का पुराना चहारदीवारी का दिवाल गिरने से 8 साल के मंतसीर की मौत हो गई है।

यूपीटीईटी 2026 का नोटिफिकेशन जारी

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPESSC) ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET) 2026 से जुड़ा हुए एक नोटिफिकेशन जारी किया है। जिसमें UPTET 2026 परीक्षा से जुड़ी जानकारी दी गई है. नोटिफिकेशन के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन करने की प्रक्रिया 27 मार्च, 2026 से शुरू हो जाएगी। जो कि 26 अप्रैल, 2026 तक चलेगी. जो भी इच्छुक उम्मीदवार UPTET 2026 परीक्षा देना चाहते हैं, वो आवेदन कर दें. दरअसल UPTET एक क्वालिफाइंग एलिजिबिलिटी टेस्ट होता है।

सड़क नेटवर्क से जुड़े 1053 गांव

- कोंडागांव में सड़क निर्माण को मिली रफ्तार, 1495 किमी मार्ग का निर्माण

एजेंसी । कोंडागांव

नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब विकास की रफ्तार तेज होती नजर आ रही है। नक्सली गतिविधियों में कमी, आत्मसमर्पण की बढ़ती घटनाओं, पुलिस की सक्रियता और प्रशासनिक समन्वय के चलते जिन इलाकों तक पहुंचना पहले कठिन था, वहां अब पक्की सड़कों का विस्तार हो रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत जिले में फेज-1 से फेज-3 तक कुल 778 कार्यों के जरिए लगभग 1495 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

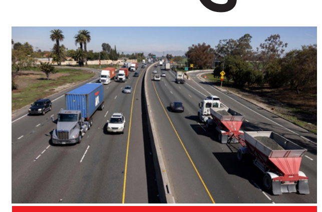

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बनीं सड़कें

वर्ष 2016–17 में स्वीकृत कुधुर–तुमड़ीवाल और कुधुर–हड़ेली सड़कें नक्सली प्रभाव के कारण वर्षों तक अधूरी रहीं, लेकिन अब 2026 में सुरक्षा बलों की मौजूदगी में इन कार्यों को गति मिली है। वर्तमान में जिले के 1053 गांव और 411 पंचायतें सड़क नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों को आवागमन और आवश्यक सेवाओं में सुविधा मिल रही है।

नये पुलिस थाने और कैंप की स्थापना

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बताया कि नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुलिस की सक्रिय भूमिका के कारण संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा का वातावरण बना है। नए पुलिस कैंप, थाने और चौकियों की स्थापना से विकास कार्यों को तेजी मिली है। कुधुर से तुमड़ीवाल तक करीब 11 किलोमीटर सड़क निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, जबकि 30 अन्य मार्गों पर कार्य जारी है। एसपी पंकज चंद्रा ने कहा कि तुमड़ीवाल, कुधुर और हड़ेली क्षेत्र कभी नक्सलियों के मजबूत गढ़ माने जाते थे।

व्यापार जगत

MFI को 20,000 करोड़ की गारंटी

- केंद्र सरकार ने सूक्ष्म वित्त संस्थानों को दी ऋण की गारंटी
- माइक्रोफाइनांस संस्थानों को मिलेगा सरकारी गारंटी का लाभ

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) को मजबूती देने के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य वित्तीय दबाव झेल रहे सूक्ष्म वित्त क्षेत्र में ऋण प्रवाह को बढ़ावा देना और बैंकों को अधिक सक्रिय रूप से कर्ज देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

छोटे उधारकर्ता होंगे पात्र

योजना के तहत पात्रता उन छोटे उधारकर्ताओं के लिए तय की गई है, जो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित सूक्ष्म वित्त की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं। गारंटी कवर छोटे संस्थानों के लिए डिफॉल्ट राशि का 80 प्रतिशत, मध्यम के लिए 75 प्रतिशत और बड़े संस्थानों के लिए निर्धारित अनुपात में प्रदान किया जाएगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, 20 मार्च को घोषित इस योजना के तहत बैंकों को माइक्रोफाइनांस संस्थानों को ऋण देने पर सरकारी गारंटी का लाभ मिलेगा।

सूक्ष्म ऋण योजना में गारंटी कवर तय

योजना के तहत पात्रता उन छोटे उधारकर्ताओं के लिए तय की गई है, जो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित सूक्ष्म वित्त की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं। गारंटी कवर छोटे संस्थानों के लिए डिफॉल्ट राशि का 80 प्रतिशत, मध्यम के लिए 75 प्रतिशत और बड़े संस्थानों के लिए निर्धारित अनुपात में प्रदान किया जाएगा।

सीमित रखी गई ब्याजदर

गारंटी शुल्क स्वीकृत राशि पर पहले वर्ष 0.50 प्रतिशत रहेगा, जबकि इसके बाद बकाया राशि पर लागू होगा। ब्याज दर को भी सीमित रखा गया है, जिसमें ऋणदाताओं को ईबीएलआर या एमसीएलआर प्लस 2 प्रतिशत प्रति वर्ष तक ही ब्याज दर निर्धारित करनी होगी। साथ ही छोटे उधारकर्ताओं को ऋण देते समय दर को पिछले छह महीनों की औसत दर से एक प्रतिशत कम रखना होगा।

भारत ने निकाला एक अरब टन कोयला

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितताओं के बीच भारत ने कोयला उत्पादन के क्षेत्र में लगातार दूसरा बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। देश ने 20 मार्च 2026 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर अपनी ऊर्जा क्षमता और आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि सभी हितधारकों के सहयोग से यह उपलब्धि संभव हो सकी है। लगातार दूसरे वर्ष इस लक्ष्य को हासिल करना देश के ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती और स्थिरता को दर्शाता है। मंत्रालय के अनुसार, कोयला उत्पादन में लगातार वृद्धि से देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली है।

सर्राफा बाजार में गिरावट, 5000 रुपये सस्ती हुई चांदी

- सोने के भाव में भी 1200-1300 रुपये की गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शनिवार को भी गिरावट का रुख बना रहा, जिससे सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। हाजिर सोने के दाम में 1,200 से 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई, जबकि चांदी करीब 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई। कीमतों में नरमी के चलते 24 कैरेट सोना अधिकांश बाजारों में 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे फिसलकर 1,48,900 से 1,49,050 रुपये के बीच कारोबार करता दिखा। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,540 से 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रही।

सोना हुआ सस्ता, चांदी में भी नरमी

वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,540 से 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रही। चांदी की कीमत भी घटकर दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने पर दबाव बना रहा। सिंगापुर गोल्ड एक्सचेंज में हाजिर सोना 4,663.54 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया। चांदी की कीमत भी घटकर दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई।

कीमत 1.48 लाख प्रति 10 ग्राम

चेन्नई, कोलकाता और भोपाल में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर रहीं, जहां 24 कैरेट सोना 1,48,900 से 1,48,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,540 से 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार करता रहा। लखनऊ और जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,050 रुपये और 22 कैरेट 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम पर दर्ज किया गया, जबकि पटना में 24 कैरेट सोना 1,48,950 रुपये और 22 कैरेट 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। दक्षिण और पूर्वी भारत के बाजारों में भी नरमी का यही रुख दिखा।

ईरानी तेल पर 30 दिन की राहत

- मार्केट में सप्लाई बढ़ाने के लिए अमेरिका ने लिया फैसला
- वैश्विक बाजार में तेल सप्लाई बनाए रखने की कवायद

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका ने ईरानी कच्चे तेल के लेनदेन पर लगे प्रतिबंधों में सीमित अवधि के लिए राहत देने का निर्णय लिया है। ट्रंप प्रशासन ने 30 दिनों की अस्थायी छूट प्रदान करते हुए समुद्र में मौजूद ईरानी तेल टैंकरों की खरीद-बिक्री की अनुमति दी है, ताकि वैश्विक बाजार में सप्लाई बढ़ाई जा सके और कीमतों पर दबाव कम किया जा सके।

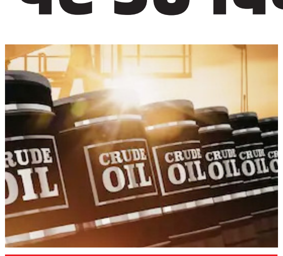

बीस दिन में 40 डॉलर का इजाफा

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल देखा गया है। वर्तमान में क्रूड ऑयल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने से पहले यह लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास थी।

बाजार को मिलेगा 14 करोड़ बैरल तेल

स्कॉट बेसेंट ने अपने बयान में कहा कि इस अस्थायी राहत के जरिए वैश्विक बाजार में करीब 14 करोड़ बैरल कच्चा तेल तेजी से उपलब्ध हो सकेगा। इससे ऊर्जा आपूर्ति में सुधार होगा और मौजूदा समय में सप्लाई पर बने दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इस फैसले की घोषणा की। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के अनुसार यह छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल तक प्रभावी रहेगी। इस कदम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता बढ़ाना और तेजी से बढ़ रही कीमतों को नियंत्रित करना है।

24 मार्च से खुलेगा साई पैरेंटेरल्स का 408.79 करोड़ का IPO

- 27 मार्च तक मिलेगा निवेश का मौका

एजेंसी । नई दिल्ली

फार्मास्यूटिकल फॉर्मुलेशन बनाने वाली कंपनी साई पैरेंटेरल्स लिमिटेड ने अपने 408.79 करोड़ रुपये के आईपीओ के लॉन्च की घोषणा कर दी है। यह सार्वजनिक निर्गम 24 मार्च से खुलेगा और निवेशक 27 मार्च तक इसमें बोली लगा सकेंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली 23 मार्च को खुलेगी। कंपनी के अनुसार, इश्यू बंद होने के बाद 30 मार्च को शेयरों का आवंटन किया जाएगा, जबकि एक अप्रैल को सफल निवेशकों के डीमैट खातों में शेयर क्रेडिट किए जाएंगे।

पांच रुपये वाले 1,04,28,288 शेयर

इस इश्यू के तहत 5 रुपये अंकित मूल्य वाले कुल 1,04,28,288 शेयर जारी किए जाएंगे। इनमें 284.79 करोड़ रुपये के 72,70,408 नए शेयर जारी होंगे, जबकि 124 करोड़ रुपये के 31,57,880 शेयर ऑफर फॉर सेल के माध्यम से बेचे जाएंगे। आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत तक हिस्सा आरक्षित रखा गया है। वहीं रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत और नॉन–इंस्टीट्यूशनल निवेशकों (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित किया गया है।

मुनाफे में चल रही है कंपनी

कंपनी की वित्तीय स्थिति पर नजर डालें तो पिछले कुछ वर्षों में इसका प्रदर्शन मजबूत रहा है। वित्त वर्ष 2022–23 में कंपनी का शुद्ध लाभ 4.38 करोड़ रुपये था, जो 2023–24 में बढ़कर 8.42 करोड़ रुपये और 2024–25 में 14.43 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर 2025) में कंपनी 7.76 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा चुकी है। आय के मोर्चे पर भी कंपनी ने लगातार वृद्धि दर्ज की है। 2022–23 में 97.03 करोड़ रुपये की कुल आय रही, जो 2023–24 में 155.18 करोड़ रुपये और 2024–25 में 163.74 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी 89.43 करोड़ रुपये की आय अर्जित कर चुकी है। कंपनी के शेयर दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। आईपीओ के लिए 372 से 392 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है और लॉट साइज 38 शेयर रखा गया है। खुदरा निवेशक न्यूनतम एक लॉट के लिए 14,896 रुपये का निवेश कर सकते हैं, जबकि अधिकतम 13 लॉट यानी 494 शेयरों के लिए 1,93,648 रुपये तक की बोली लगा सकते हैं। इस इश्यू के लिए अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

आईपीएल काउंटडाउन

गिल को टी-20 में जीतना होगा दिल

दोहरी चुनौती : कप्तान शुभमन को बल्लेबाजी में 'आक्रामकता' भी लानी है और गुजरात टाइटंस को जीत भी दिलानी है

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के 'प्रिंस' कहे जाने वाले शुभमन गिल के लिए आईपीएल का यह सीजन बेहद अहम है। उनके लिए यह केवल रनों का अंबार लगाने का जरिया नहीं, बल्कि टी-20 करियर की दिशा तय करने वाला मंच भी होगा। अगर उन्हें टीम इंडिया में वापसी करनी है तो टी-20 में दिल जीतना होगा।

'स्ट्राइक रेट' ने बढ़ाई मुश्किल

कुछ महीनों पहले तक टीम इंडिया के तीनों प्रारूप में निर्विवाद स्तंभ माने जाने वाले गिल आज सबसे छोटे प्रारूप में खुद को हाशिए पर पा रहे हैं। वजह फॉर्म की कमी नहीं, बल्कि टी-20 क्रिकेट की बदलती 'भाषा' है। टी-20 बल्लेबाजी का नया व्याकरण अब अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाज लिख रहे हैं। जहां शुभमन गिल अपनी पारी की शुरुआत में 8 गेंदों पर 12 रन बनाकर पिच को भांपने में यकीन रखते हैं, वहीं अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद से हवाई हमले शुरू कर देते हैं। भारतीय चयनकर्ताओं का झुकाव अब ऐसे बल्लेबाजों की ओर बढ़ गया है जो पहली गेंद से मैच पर हावी होना जानते हैं। इसी 'टेंपो' की लड़ाई में गिल फिलहाल पिछड़ते दिख रहे हैं।

अग्निपरीक्षा

गुजरात टाइटंस के कप्तान के तौर पर गिल के सामने दोहरा संकट है। उन्हें अपनी टीम को जीत भी दिलानी है और अपनी बल्लेबाजी शैली में वो 'आक्रामकता' भी लानी है जिसकी मांग टीम इंडिया कर रही है। पिछले सीजन में गिल ने 155.88 के शानदार स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए थे, जिसमें चार शतक शामिल थे। आंकड़े गवाह हैं कि वह रन बनाने में माहिर हैं, लेकिन आधुनिक टी-20 इकोनॉमी में अब 'भरोसे' से ज्यादा 'विस्फोट' की कीमत है।

रोहित जैसे 'अवतार' की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि गिल को अपनी पहचान खोए बिना अपनी बल्लेबाजी में तेजी लानी होगी। ठीक वैसा ही, जैसा रोहित शर्मा ने अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर किया था। उन्हें अपनी कलात्मकता और पावरप्ले में जोखिम लेने की क्षमता के बीच संतुलन बनाना होगा। अगर वह पावरप्ले में अपने स्ट्राइक रेट को थोड़ा और बढ़ा पाते हैं, तो वह न केवल गुजरात के लिए गेम-चेंजर बनेंगे बल्कि टीम इंडिया का दरवाजा फिर से खटखटाएंगे।

बेंच स्ट्रेंथ देगी गिल को 'लाइसेंस'

राहत की बात यह है कि गुजरात टाइटंस के पास ग्लेन फिलिप्स और टॉम बैंटन जैसे पावर-हिटर मौजूद हैं। यह गहराई गिल को शुरुआत में खुलकर खेलने की आजादी देती है। हालांकि, डर इस बात का है कि अगर गिल अपनी शैली में बहुत ज्यादा बदलाव करते हैं, तो कहीं वह अपनी स्वाभाविक लय न खो दें। कप्तान शुभमन गिल के लिए इस सीजन में मौका होगा कि वह क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी काबिलियत दिखा सकें।

सर्वश्रेष्ठ सत्र विजेता : 2022
उपविजेता : 2023
पिछला सत्र तीसरा स्थान
मौजूदा शीर्ष गेंदबाज

राशिद खानविकेट :
158 इकोनॉमी : 7.08 मैच : 136
औसत : 23.834/5 विकेट : 2/0किसी दबाव के खुलकर खेलने का गुरूमंत्र देना होगा।

गिल के लिए क्यों अहम यह सीजन?

बदलता नजरिया : टीम इंडिया अब 'एंकर' (पारी संभालने वाले) के बजाय 'इम्पैक्टर' (असर डालने वाले) खिलाड़ियों को तरजीह दे रही है।

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को खेलेगा भारत

एजेंसी | नई दिल्ली

विश्व चैंपियन भारत 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी-20 मैच खेलेगा। बीसीसीआई ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों मैच बेलफास्ट में होंगे। भारतीय टीम 19 साल बाद यहां खेलेगी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा, टीम इंडिया दो मैचों की टी-20 सीरीज के लिए जून में आयरलैंड जाएगी। उन्होंने कहा, पिछले आठ साल में भारतीय टीम ने तीन बार (2018, 2022 और 2023) आयरलैंड का दौरा किया है। बेलफास्ट में भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार खेलेगी। इससे दो दिन पहले आयरलैंड के हाई परफार्मेंस निदेशक ग्राहम वेस्ट ने इसकी पुष्टि की थी। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड में एक से 19 जुलाई तक पांच टी-20 और तीन वनडे खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर जापान बना एशियाई चैंपियन

एजेंसी | सिडनी

जापान की महिला फुटबॉल टीम ने शनिवार को सिडनी में खेले गए फाइनल मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जापान ने महाद्वीपीय फुटबॉल में अपना दबदबा कायम रखा है। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल 21 वर्षीय खिलाड़ी माइका हमानो ने 17वें मिनट में दागा। हमानो ने पेनाल्टी क्षेत्र के बाहर से एक जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया, जिसका जवाब ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरे मैच के दौरान नहीं दे पाई।

ऑस्ट्रेलियाई चुनौती और जापान की अभेद्य रक्षा

पूरे टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम के रूप में उतरी जापान की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। फाइनल के आखिरी 10 मिनटों में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी के लिए जबरदस्त दबाव बनाया और कई हमले किए, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति (डिफेंस) ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। उल्लेखनीय है कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान खेले गए छह मैचों में जापान ने केवल एक गोल खाया, जो उनकी ठोस रणनीति और अनुशासन को दर्शाता है।

ऐतिहासिक दबदबा और विश्व कप की राह

जापान के लिए यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक है। उसने पिछले चार महाद्वीपीय टूर्नामेंटों में तीसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। इससे पहले जापान ने 2014 और 2018 के फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया को ही मात देकर खिताब जीते थे। इस एशियाई कप के शीर्ष प्रदर्शन के आधार पर छह टीमों ने अगले साल ब्राजील में आयोजित होने वाले महिला विश्व कप के लिए अपनी जगह सुरक्षित कर ली है, जहाँ ये टीमें वैश्विक मंच पर अपनी चुनौती पेश करेंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

अंतिम चार में शाहयान ऱाजमी

मुंबई। मुंबई के नवोदित खिलाड़ी शाहयान ऱाजमी ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए पंजाब के वरिष्ठ खिलाड़ी साहिल नय्यर को 57-54, 7-56, 70-33, 51-16, 65-1, 25-71(65), 31-75(48), 73(52)-35, 64(48)-32) से पराजित करके क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया स्थित विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल में खेले जा रहे सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2026 प्रतियोगिता के अंतिम चार में जगह बनाई। 20 वर्षीय शाहयान ऱाजमी एक समय 3-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उसके बाद उन्होंने जोरदार तरीके से मैच में वापसी करते हुए आगे के दोनों फ्रेम पर कब्जा करके मैच को जीत लिया।

दोपहर ट्रॉफी : अज़ुर के जीत की संभावना

मुंबई। महालक्ष्मी रेसकोर्स पर शाम पांच बजे आयोजित दोपहर ट्रॉफी में तृतीय श्रेणी के छह घोड़े हिस्सा ले रहे हैं। अपनी पिछली दौड़ में फर्राटा जीत हासिल करने वाले इम्तियाज ए सईत द्वारा प्रशिक्षित अज़ुर का फॉर्म बरकरार नजर आ रहा है और उसके जीत की संभावना है। कुल छह दौड़ों का आयोजन किया गया है। पहली दौड़ शाम पांच बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैं। 1- अज़ुर (प्र.), एन्स्की (द्वि.), 2- गोल्डन डॉन्सर (प्र.), एक्ज़ुमा (द्वि.), 3- ताज़ीर (प्र.), जॉएन्ट गोल्ड (द्वि.), 4- अल्टिमो (प्र.), मॉर्केट किंग (द्वि.), 5- मिनिस्ट्री ऑफ टाईम (प्र.), अश्व अंकारा (द्वि.), 6- हैवेन्स रिदम (प्र.), मेड्डसा (द्वि.), दिन का सर्वोत्तमः हैवेन्स रिदम।

कोहली का 'स्विच ऑन' मंत्र

एजेंसी | बेंगलुरु

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अपने साथियों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरी तरह 'स्विच ऑन' रहने का आग्रह करते हुए कहा कि खिताब बचाने की तैयारी में अभ्यास का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। आरसीबी 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

खिताब बचाने की चुनौती

अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि टीम को वही जज्बा बनाए रखना होगा, जिसके दम पर पिछले सीजन ट्रॉफी जीती गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब राह पहले से ज्यादा कठिन होगी, क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी ताकत से चुनौती पेश करेंगी।

नई टीम, नया उत्साह

आरसीबी ने इस सीजन के लिए वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को टीम में शामिल किया है। मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि नीलामी के बाद टीम और मजबूत हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि अनुभवी खिलाड़ियों और नए चेहरों का संयोजन टीम को और खतरनाक बनाएगा। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ फिर से अभ्यास कर उत्साहित हैं।

कैमरन ने 50 मीटर फ्री स्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी | शेनजेन

ऑस्ट्रेलियाई तैराक और ओलंपिक चैंपियन कैमरन मैकएवॉय ने चीन के शेनजेन में आयोजित 'चाइना ओपन' में इतिहास रच दिया है। 31 वर्षीय कैमरन ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा को मात्र 20.88 सेकंड में पूरा कर स्वर्ण पदक जीता। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने तैराकी की दुनिया का एक सबसे कठिन और पुराना रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। कैमरन ने इस रेस में अपनी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ गति (21.06 सेकंड) में भी बड़ा सुधार किया है।

17 साल पुराने रिकॉर्ड का अंत

कैमरन ने ब्राजील के दिग्गज तैराक सेसार सिएलो के 17 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। सिएलो ने साल 2009 में 20.91 सेकंड का समय निकालकर यह विश्व कीर्तिमान स्थापित किया था। ऑस्ट्रेलियाई तैराक ने इस रिकॉर्ड में 0.03 सेकंड का सुधार किया।

आकाश आईपीएल से बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना भी संदिग्ध

एजेंसी | कोलकाता

चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को शनिवार को एक और तगड़ा झटका लगा। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज आकाश दीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। वह कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे। इससे उनका जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा, आकाश की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उबर गया है। उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था।

टीम के तीसरे पेसर

आकाश तीन बार के चैंपियन केकेआर की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में नया नाम हैं। इस सूची में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और 18 करोड़ रुपये में खरीदे गए श्रीलंकाई खिलाड़ी मथीशा पथिराना भी शामिल हैं। इससे टीम का तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर पड़ गया है। इनकी गैर मौजूदगी में केकेआर को वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और उमरान मलिक पर निर्भर रहना पड़ेगा।

बॉ ली वु ड

'किंग' का एक्शन करेगा सबको हैरान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन फिल्मों में शामिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने फिल्म के एक खास एक्शन सीक्वेंस के लिए 10 प्रशिक्षित रूसी फाइटर्स को मुंबई बुलाया है। विले पार्ले स्थित एक पुराने मिल सेट पर इस भव्य सीन की शूटिंग की तैयारी पूरी कर ली गई है। सूत्रों के अनुसार, यह हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन 23 मार्च से मुंबई की गोल्डन टोबैको फैक्ट्री में तैयार किए गए विशाल सेट पर शूट किया जाएगा, जो लगभग एक सप्ताह तक चलेगा। फिल्म की टीम स्टाइलिश एक्शन के बजाय रियल और जमीनी फाइट कोरियोग्राफी पर जोर दे रही है। खास बात यह है कि इस सीक्वेंस में शाहरुख खान बिना किसी बॉडी डबल के खुद खतरनाक स्टंट करते नजर आएंगे, जिसके लिए उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म में एक और बड़ा आकर्षण विजयदशमी के बैकड्रॉप पर फिल्माया गया एक्शन सीन है, जिसमें सुहाना खान अपने पिता शाहरुख के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक्शन करती दिखेंगी। इस सीक्वेंस की शूटिंग के लिए दोनों ने लगातार आठ रातों तक काम किया है। 'किंग' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है, खासकर इसलिए भी क्योंकि इसमें अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण और रानी मुखर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म क्रिसमस 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

'धुरंधर 2' के बाद अर्जुन रामपाल की नई पारी

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनका खतरनाक लुक दर्शकों को चौंका रहा है। इसी बीच उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी के साथ एक भव्य पैन-इंडिया फिल्म में नजर आ सकते हैं, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित होगी। बताया जा रहा है कि 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' शीर्षक से बन रही इस फिल्म में ऋषभ शेट्टी छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे, जबकि अर्जुन रामपाल विलेन के दमदार किरदार में दिखाई दे सकते हैं। इस ऐतिहासिक फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें शानदार विजुअल्स और भावनात्मक कहानी के जरिए मराठा सम्राट के गौरवशाली इतिहास को प्रस्तुत करने की योजना है। फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह करेंगे, जो इस प्रोजेक्ट के जरिए अपना डायरेक्शन डेब्यू करने जा रहे हैं। वहीं, अर्जुन रामपाल की मौजूदा फिल्म 'धुरंधर 2' भी बॉक्स ऑफिस पर चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में उनके साथ रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। 'धुरंधर 2' की कहानी जासूसी और एक्शन से भरपूर है, जिसमें अर्जुन रामपाल का किरदार खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

8 घंटे शिफ्ट विवाद पर मोहित सूरी का रिएक्शन

फिल्म इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर नई बहस छिड़ गई है। दीपिका पादुकोण द्वारा 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग के बाद यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में आ गया है। इसी बीच निर्देशक मोहित सूरी ने इस पर अपनी राय रखते हुए सख्त रुख अपनाया और इसे रचनात्मक प्रक्रिया से जोड़कर देखा। मोहित सूरी ने एक बातचीत में इमरान हाशमी का उदाहरण देते हुए बताया कि फिल्म आवारापन की शूटिंग के दौरान अभिनेता ने लगातार 24 घंटे तक बिना रुके काम किया था। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण में कई बार परिस्थितियां ऐसी होती हैं, जहां तय समय सीमा से बाहर जाकर काम करना पड़ता है। हालांकि मोहित ने यह भी माना कि लंबे समय तक काम करना पूरी यूनिट के लिए थकाऊ होता है। उनके अनुसार, 12 घंटे की शिफ्ट अक्सर 14-15 घंटे में बदल जाती है, जिसमें आने-जाने और तकनीकी तैयारियों का समय भी शामिल होता है। ऐसे में 8 घंटे की शिफ्ट को केवल सितारों की मांग नहीं, बल्कि पूरी यूनिट, लाइटमैन, स्पॉट बॉय और ड्राइवर के हित से जुड़ा मुद्दा बताया। गौरतलब है कि 8 घंटे की शिफ्ट को लेकर बहस उस समय और तेज हो गई, जब खबरें आईं कि दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से दूरी बना ली है। इस पूरे विवाद ने फिल्म इंडस्ट्री में काम के घंटों और कार्य-परिस्थितियों पर एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

अनन्या पांडे ने रैंप पर चलाया जादू

अनन्या पांडे बॉलीवुड में अभिनय से ज्यादा अपने ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर पॉपुलर हैं। हाल ही में उन्हें एक फैशन वीक में वॉक करने का मौका मिला। अनन्या पांडे ने मशहूर डिजाइनर राहुल मिश्रा के लिए रैंप वॉक की। अनन्या का लुक, ड्रेस इस मौके पर चर्चा का विषय बन गई। फैशन वीक में अनन्या पांडे एक ब्राइट ओवरसाइज्ड ब्लेजर, प्लीटेड आइवरी स्कर्ट में रैंप वॉक करती दिखीं। इस मौके पर अनन्या अपनी नई हेयरस्टाइल दिखाना नहीं भूली हैं। वह बैंग्स हेयरस्टाइल (माथे पर लटकते बाल) में काफी अलग दिख रही थीं। फैशन वीक के बाद अनन्या ने मीडिया से बात की और अपना फैशन मंत्रा बताया। साथ ही डिजाइनर राहुल मिश्रा की भी काफी तारीफ की। वह कहती हैं, 'राहुल की डिजाइनर ड्रेसेसे में हमेशा कोई न कोई कहानी जुड़ी होती है और मुझे इसका हिस्सा बनना पसंद है। वह सचमुच एक कमाल के आर्टिस्ट हैं।' अनन्या आगे कहती हैं, 'मुझे आरामदायक और क्लासी कपड़े पसंद हैं।' ऐसी ड्रेस में अनन्या का लुक काफी हटकर नजर आता है। बता दें कि इस फैशन वीक में अनन्या को सपोर्ट करने के लिए उनकी मां भावना पांडे भी पहुंची थीं। हाल ही में अनन्या पांडे की एक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' रिलीज हुई। यह बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, इसमें कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। आगे अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' में जल्द नजर आएंगी।

वॉर ब्रीफ

रूस ने नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हमले की निंदा की

मॉस्को। रूस ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। ईरान ने इस हमले की जानकारी अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को भी दी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान को भरोसा दिलाया है कि रूस उसके साथ खड़ा है। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने फारसी नववर्ष 'नवरोज' के मौके पर ईरानी नेताओं को बधाई दी और कहा कि मॉस्को तेहरान का वफादार दोस्त और भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा। पुतिन ने अपने संदेश में कहा कि मौजूदा मुश्किल हालात में ईरान के लोगों को मजबूती से डटे रहना चाहिए और रूस इस कठिन समय में उनका साथ देगा। रूस ने यह भी कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों से मिडिल ईस्ट में हालात और बिगड़े हैं और इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ा है।

ब्रिटेन ने डिएगो गार्सिया आइलैंड पर ईरानी हमले की निंदा की

लंदन। ब्रिटेन ने उसके डिएगो गार्सिया आइलैंड पर ईरानी हमले की निंदा की है। ब्रिटेन का कहना है कि ईरान की ऐसी हरकतें इलाके के लिए खतरा हैं। हालांकि ये हमला कामयाब नहीं हुआ। ब्रिटेन इस लड़ाई में खुद सीधे शामिल नहीं है, लेकिन उसने अमेरिका को अपने बेस इस्तेमाल करने दिए हैं। ईरान पर हमले के लिए डिएगो गार्सिया इसलिए अहम माना जाता है क्योंकि यह हिंद महासागर के बीचों-बीच स्थित एक बड़ा सैन्य ठिकाना है। यहां से अमेरिका दूर तक और तेजी से सैन्य ऑपरेशन चला सकता है। यह ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 3,800 किलोमीटर दूर है। इतनी दूरी होने के कारण अमेरिका यहां से बिना सीधे खतरे के दायरे में आए लंबी दूरी के मिशन लॉन्च कर सकता है।

होर्मुज रूट बंद नहीं, जो बात कर रहा उसे रास्ता दे रहे : ईरान

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि होर्मुज बंद नहीं है। जो देश ईरान से संपर्क करेंगे, उनके जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने इस रूट को बंद नहीं किया है। हमारे अनुसार यह खुला है। यह सिर्फ उन देशों के जहाजों के लिए बंद है, जो हम पर हमला कर रहे हैं। अराघची ने साफ किया कि अन्य देशों के जहाज सामान्य रूप से गुजर सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तेहरान के साथ बात करनी होगी।

ईरान से तीन हफ्ते में ही पस्त हो गया अमेरिका

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बाद अब ट्रंप भी युद्ध खत्म करने की सोच रहे

एजेंसी । वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के साथ शुरू हुआ युद्ध वैश्विक संकट की तरफ बढ़ रहा है। दुनिया के ज्यादातर देश ऊर्जा संकट में फंसने की कगार पर हैं। करोड़ों नागरिकों को जान का खतरा बना हुआ है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका देश अब इस युद्ध को धीरे-धीरे समाप्त करने पर विचार कर रहा है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब उन्होंने नाटो के बाकी सदस्य देशों को कायर कहकर तंज कसा है, वहीं ईरान का युद्ध भी लगातार तेजी पकड़ता जा रहा है। शनिवार को ईरानी मीडिया ने बताया कि उसके नतांज परमाणु केंद्र पर हमला हुआ है। वहीं अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ईरान ने हिंद महासागर में मौजूद अमेरिकी और ब्रिटिश बेस डिएगो गार्सिया को निशाना बनाया है।

होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा का जिम्मा अब तेल मंगाने वाले देशों पर

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका, ईरान में अपने लक्ष्यों के करीब पहुंच चुका है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि इसकी सुरक्षा अब ऐसे देशों को करनी चाहिए, जो यहां से तेल मंगाते हैं। उन्होंने कहा, "होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी उन तमाम देशों की है, जो इसका उपयोग करते हैं। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं है। यदि यह देश अमेरिका से अनुरोध करेंगे, तो शायह हम इनकी मदद करने के लिए आएंगे, लेकिन तब तक हम ईरान का खतरा खत्म कर चुके होंगे, तो इसकी आवश्यकता नहीं होगी। ईरान का खतरा खत्म होने के बाद होर्मुज को सुरक्षित करना इन देशों के लिए एक आसान सैन्य अभियान होगा"

ट्रंप ने गिनाए ईरान पर हमले के 5 लक्ष्य

ट्रंप ने कहा, 'हम अपने ईरान में अपने उद्देश्यों को हासिल करने के बहुत करीब हैं। अब हम मध्य-पूर्व में अपनी कार्रवाई को खत्म करने पर विचार कर रहे हैं।' इसके साथ ही ट्रंप ने मुख्य रूप से अपने 5 उद्देश्य भी बताए। इनमें ईरान की मिसाइल क्षमता, वायुसेना क्षमता को समाप्त करना और तेहरान को परमाणु क्षमता तक न पहुंचने देना और खाड़ी क्षेत्र में अपने सहयोगी देशों की रक्षा करना शामिल है। हालांकि, ट्रंप ने यहां पर सत्ता परिवर्तन को को अपना लक्ष्य नहीं बताया।

3 हफ्तों में मची भारी तबाही

आपको बता दें, 28 फरवरी से शुरू हुए इस युद्ध में अभी तक 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान के कई शहरों पर हमला बोल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने ईरान की उच्च लीडरशिप को तीन बार खत्म कर दिया है। अब कोई नेतृत्व करने को भी तैयार नहीं है। दूसरी तरफ, इजरायल ने ईरान के साथ-साथ लेबनान में हिज्बुल्लाह को निशाना बनाना जारी रखा। यहां पर भी करीब 1 हजार लोग मारे जा चुके हैं। इन हमलों का जवाब देते हुए ईरान ने खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिका और इजरायल के ठिकानों को जमकर निशाना बनाया। तेल और गैस केंद्रों पर हमले के जवाब में तेहरान ने कतर, बहरीन, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के ठिकानों पर हमला कर दिया। इससे वैश्विक रूप से तेल और गैस का संकट बढ़ गया। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह से बंद कर दिया है, इसमें से केवल वही जहाज निकल रहे हैं, जो कि ईरान के सहयोगी हैं या फिर इस युद्ध में निष्पक्ष है।

युद्ध समाप्ति के संकेत के बीच ईरान के परमाणु केंद्र नतांज पर हमला

ट्रंप की तरफ से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिका ने ईरान की तरफ मरीन सैनिकों की एक और टुकड़ी भेजी है। इसके अलावा ब्रिटेन ने भी हिंद महासागर में स्थित अपने सैन्य बेस को ईरान पर हमला करने के लिए दे दिया है। ब्रिटेन से यह इजाजत आने के बाद ईरान ने इस पर दो बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला कर दिया। हालांकि, यह मिसाइलें अपना निशाना चूक गईं। साथ ही ईरान की तरफ से बताया गया कि अमेरिका और इजरायल ने शनिवार को उसके नतांज परमाणु केंद्र पर हमला बोला है। ईरान के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले नतांज परमाणु केंद्र पर हुआ हवाई हमला इस जंग का सबसे खतरनाक मोड़ साबित हो सकता है। तेहरान से 220 किलोमीटर दूर स्थित इस 'न्यूक्लियर हब' को निशाना बनाकर गठबंधन सेना ने ईरान की रीढ़ तोड़ने की कोशिश की है। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'मिज़ान' के अनुसार, शनिवार को नतांज फैसिलिटी पर दो भीषण हवाई हमले किए गए।

रेडिएशन का खतरा नहीं

परमाणु केंद्र पर हमले के बाद सबसे बड़ा डर रेडियोधर्मी रिसाव का था। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख रफाएल ग्रॉसी ने स्पष्ट किया है कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह के रेडिएशन के संकेत नहीं मिले हैं। ईरानी परमाणु प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने भी पुष्टि की है कि स्थिति नियंत्रण में है और पर्यावरण को कोई खतरा नहीं है।

ईरान का सबसे दर्दनाक नववर्ष

बच्चियों की कब्रों पर फूल रख रो पड़ीं माएं, कब्रिस्तानों में उमड़े लोग

तेहरान। ईरान में फारसी नववर्ष यानी 'नौरोज' हमेशा से नई उम्मीदों, वसंत के आगमन और खुशियों का प्रतीक रहा है। हर साल घरों में सजने वाला पारंपरिक 'हफ्त-सीन' का दस्तरखान और बच्चों की खिलखिलाहट इस त्योहार की जान होती थी। लेकिन मार्च 2026 का नौरोज ईरान के इतिहास में एक गहरे जख्म के रूप में दर्ज हो गया है। इस बार जश्न और आतिशबाजी की जगह खामोशी ने ले ली है। माता-पिता नए कपड़े खरीदने के बजाय अपने उन जिगर के टुकड़ों की कब्रों पर फूल चढ़ा रहे हैं, जो हाल ही में एक स्कूल पर हुए विनाशकारी हमले का शिकार हो गए।

पीएम मोदी का कूटनीतिक बदलाव

ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर की लंबी चर्चा

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और नतांज परमाणु केंद्र पर हालिया हमलों के बीच नरेंद्र मोदी और मसूद पेजेशकियन की टेलीफोन पर हुई बातचीत कूटनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस तनावपूर्ण माहौल में भारत ने एक बार फिर 'शांति और संवाद' की अपनी नीति दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पेजेशकियन को ईद और नवरोज की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि यह त्योहारी समय पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि का संदेश लेकर आएगा।

बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा

पीएम मोदी ने स्पष्ट शब्दों में क्षेत्र के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हो रहे हमलों की निंदा की। उनका इशारा तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और ऊर्जा केंद्रों की ओर था, क्योंकि इन पर हमलों से न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा पैदा होता है, बल्कि दुनिया भर की सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) भी टूट जाती है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता होर्मुज स्ट्रेट और हिंद महासागर के समुद्री रास्तों की सुरक्षा है। पीएम मोदी ने 'नेविगेशन की स्वतंत्रता' को बनाए रखने और शिपिंग लेन को खुला रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने दोहराया कि समुद्री मार्गों में कोई भी रुकावट वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत की ऊर्जा सुरक्षा (पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति) को बड़ा झटका दे सकती है।

ईरान में भारतीयों की सुरक्षा पर पीएम का धन्यवाद

ईरान में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है, साथ ही कई भारतीय छात्र और व्यापारी भी वहां मौजूद हैं। पीएम मोदी ने युद्ध के इस कठिन समय में भारतीयों को सुरक्षित रखने के लिए ईरान सरकार के निरंतर समर्थन की सराहना की। यह भारत की 'सिटिजन फर्स्ट' विदेश नीति को दर्शाता है।

23 मार्च से राज्यों को मिलेगी 20% ज्यादा एलपीजी

एजेंसी । नई दिल्ली

ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में उपजे तनाव ने भारत की रसोई का गणित बिगाड़ दिया है। देश में जारी एलपीजी संकट को देखते हुए केंद्र सरकार ने 23 मार्च 2026 से राज्यों को 20% अतिरिक्त गैस सप्लाई करने का बड़ा फैसला लिया है।

- प्रवासी मजदूरों को मिलेंगे 5 किलो वाले एफटीएल सिलेंडर
- कालाबाजारी रोकने के लिए मुख्य सचिवों को कड़े निर्देश

प्री-क्राइसिस लेवल का आधा कोटा बहाल

ईरान युद्ध (ऑपरेशन एपिक फ्यूरी) शुरू होने के बाद भारत में गैस की आवक बुरी तरह प्रभावित हुई थी। अब सरकार ने तय किया है कि 23 मार्च से राज्यों को मिलने वाली सप्लाई को बढ़ाकर पुराने सामान्य स्तर (Pre-Crisis Level) के 50% तक लाया जाएगा। यानी अब किल्लत थोड़ी कम होगी, लेकिन पूरी तरह खत्म होने में अभी समय लगेगा।

ढाबे, होटल और कैंटीन को वीआईपी ट्रीटमेंट

सरकार का पहला मकसद यह है कि बाहर खाने-पीने वाले लोगों और फूड इंडस्ट्री पर असर न पड़े। इसीलिए अतिरिक्त 20% गैस सबसे पहले रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों, इंडस्ट्रियल कैंटीन और डेयरी सेक्टर को दी जाएगी। बेंगलुरु जैसे शहरों से आ रही तस्वीरों (जहाँ होटलों में लकड़ी के चूल्हे जल रहे हैं) ने सरकार को यह प्राथमिकता तय करने पर मजबूर किया है।

प्रवासी मजदूरों के लिए छोटा सिलेंडर

कामगारों और प्रवासी मजदूरों की जरूरतों को देखते हुए मंत्रालय ने 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। यह उन लोगों के लिए बड़ी राहत होगी जिनके पास बड़े सिलेंडर का कनेक्शन नहीं है और जो इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

होर्मुज का पेंच : क्यों थमी गैस?

भारत अपनी जरूरत का 60% से ज्यादा गैस बाहर से मंगाता है और इसका 80-85% हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आता है। अमेरिका-इजराइल के हमलों और ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद यह समुद्री रास्ता 'जंग का अखाड़ा' बन गया है। चूँकि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गैस आयातक है, इसलिए वहां की हर हलचल हमारे घरों के चूल्हों तक पहुँच रही है। डॉ. नीरज मित्तल ने राज्यों को साफ चेतावनी दी है कि इस संकट का फायदा उठाकर गैस की कालाबाजारी या गलत इस्तेमाल न होने पाए। राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सप्लाई चेन पर कड़ी नजर रखें ताकि गैस सही जरूरतमंदों तक पहुँचे न कि ऊंचे दामों पर ब्लैक में बिके।

तीन अप्रैल नौसेना में शामिल होगा 'तारागिरी' युद्धपोत

विशाखापत्तनम। भारतीय नौसेना अपनी स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' को 3 अप्रैल को विशाखापत्तनम में शामिल करने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। यह कदम देश की नौसेना शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 'तारागिरी' प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी का चौथा और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई द्वारा निर्मित तीसरा युद्धपोत है। इसे पिछले साल 28 नवंबर को नौसेना को सौंपा गया था। यह 6,670 टन वजनी फ्रिगेट 'मेक इन इंडिया' भावना और स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, 'यह समारोह भारत की समुद्री संप्रभुता के लिए एक निर्णायक क्षण होगा।' यह युद्धपोत नौसेना डिजाइन, स्टील्थ, मारक क्षमता और स्वचालन में एक बड़ी छलांग दर्शाता है। इसमें संयुक्त डीजल या गैस (CODOG) प्रोपल्शन संयंत्र है, जो इसे उच्च गति और लंबी सहनशक्ति प्रदान करता है। 'तारागिरी' बहु-आयामी समुद्री अभियानों के लिए डिज़ाइन की गई है। इसमें 75 फीसदी स्वदेशी उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है, जो 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देता है और हजारों भारतीय रोजगार पैदा करता है।

अमेरिकी रिपोर्ट पर 275 भारतीय दिग्गजों का हल्ला बोल

- आरएसएस पर पाबंदी की सिफारिश को बताया बौद्धिक दिवालियापन

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिकी आयोग की उस रिपोर्ट, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) पर प्रतिबंध की सिफारिश की गई है, ने भारत में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। देश के 275 पूर्व जजों, नौकरशाहों और सैन्य अधिकारियों ने इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'प्रेरित' और 'तथ्यहीन' बताया है। उनका कहना है कि RSS जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन पर प्रतिबंध या संपत्ति जब्ती की बात करना 'विकृत मानसिकता' और वास्तविक तथ्यों की अनदेखी को दर्शाता है।

अमेरिकी सरकार से बैकग्राउंड चेक की मांग

हस्ताक्षरकर्ताओं ने अमेरिकी प्रशासन से आग्रह किया है कि वे इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले लोगों की पृष्ठभूमि (Background) की कड़ी जांच करें। उन्हें शक है कि कुछ भारत-विरोधी ताकतें अमेरिकी करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल भारत की छवि खराब करने और दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट घोलने के लिए कर रही हैं। बयान में स्पष्ट किया गया कि आरएसएस की पहचान उसकी समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से है। बिना किसी पुख्ता सबूत या संदर्भ के संगठन को नकारात्मक रूप से पेश करना विश्लेषण में संतुलन की कमी को दिखाता है। दिग्गजों ने कहा कि आलोचना तथ्यों पर होनी चाहिए, न कि केवल अनुमानों या पूर्वाग्रहों पर।

पूर्व सीएम पटनायक ने छह विधायकों को किया निलंबित

भुवनेश्वर / नई दिल्ली। बीजू जनता दल (बीजेडी) ने हालिया राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग सहित पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छह विधायकों को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक की ओर से जारी आदेश में निलंबित विधायकों के नाम इस प्रकार हैं- चक्रमणि कन्हार- बालिगुड़ा सीट, नबा किशोर मल्लिक- जयदेव क्षेत्र, सौविक बिस्वाल- चौडवार-कटक, सुबासिनी जेना- बास्ता, रमाकांत भोई- तिरटोल, देवी रंजन त्रिपाठी- बांकी। बीजद की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक में इन विधायकों के निलंबन का फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने की। इन छह विधायकों को 17 मार्च को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था। उन्होंने शुक्रवार शाम तक अपने जवाब भेजे। लेकिन, बीजद की मुख्य सचेतक प्रमिला मल्लिक ने कहा कि जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। हाल ही में हुए द्विवार्षिक चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चार में से दो राज्यसभा सीटों पर जीत हासिल की। जबकि, विपक्षी बीजद और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को एक-एक सीट मिली। ओड़िशा विधानसभा में कुल 147 सदस्य हैं।

मोदी सबसे बड़े घुसपैठिए : ममता बनर्जी

- मतदाता सूची से नाम हटाने का लगाया आरोप

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों (23 और 29 अप्रैल 2026) से ठीक पहले राजनीति का पारा सातवें आसमान पर पहुँच गया है। कोलकाता के रेड रोड पर ईद के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा हमला करते हुए उन्हें सबसे बड़ा घुसपैठिया करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार चुनाव जीतने के लिए लोगों को 'घुसपैठिया' कहकर डराती है और समाज में हिंदू-मुस्लिम विवाद पैदा करती है। दीदी ने कहा कि भाजपा मतदाता सूची के बहाने लोगों के लोकतांत्रिक अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है।

वोटर लिस्ट पर कानूनी जंग

निर्वाचन आयोग द्वारा चलाई जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर तृणमूल कांग्रेस (TMC) बेहद आक्रामक है। ममता का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए जानबूझकर वैध मतदाताओं (खासकर अल्पसंख्यकों) के नाम हटाए जा रहे हैं। इस मामले को लेकर वे कलकत्ता हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर बंगाल के शासन में दखल देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सरकार ने बंगाल की चुनी हुई सरकार पर कब्जा करने की कोशिश की है और राज्य में अनौपचारिक राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया है। उन्होंने नारा दिया— भाजपा हटाओ, देश बचाओ।

भाजपा ने 11 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची शनिवार को जारी की। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम से करमना जयन को उम्मीदवार बनाया है। सूची के अनुसार, पुथुपल्ली से रवीन्द्रनाथ वकत्थानम को, चवरा से के आर राजेश को, चदयामंगलम से आर एस अरुण राज को और पीरुमाडे सीट से वी रतीश चुनाव मैदान में उतरेंगे। विवेक गोपन को अरुविक्करा सीट, टी एन सुरेश को कोवलम और एस राजशेखरन नायर को नेय्याट्टिनकारा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने मावेलिक्करा सीट से अजिमोन, चिरायिनकीझु से बी एस अनूप और अदूर सीट से पंडालम प्रतापन को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा की बी-टीम है कांग्रेस : सीएम पिनाराई विजयन

एजेंसी । कोच्चि

राहुल गांधी एक 'दुर्लभ घटना' हैं: विजयन

केरल में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस बीच मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी की 'बी-टीम' है। अब आप सोच रहे होंगे कि अचानक विजयन ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को लपेटे में क्यों लिया है। दरअसल, राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि जांच एजेंसियां विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर रही है, आखिर केरल के मुख्यमंत्री अब तक जेल से बाहर क्यों हैं? इस पर पलटवार करते हुए विजयन ने कहा कि कुछ लोग देख और अनुभव कर के भी नहीं सीखते। वे सामान्य इंसान नहीं, बल्कि एक 'दुर्लभ घटना' हैं। यह उन लोगों के साथ होता है जिनमें चीजों को समझने की क्षमता नहीं होती। राहुल गांधी इसी श्रेणी में आते हैं।

विजयन ने दिया केजरीवाल का उदाहरण

विजयन ने अरविंद केजरीवाल का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन पर भी गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन अदालत ने उन्हें क्लीन चिट देकर कांग्रेस के मुंह पर करारा तमाचा जड़ा है। इतनी फजीहत के बाद भी राहुल वही गलतियां दोहरा रहे हैं।